राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 12 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-203 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका: छात्रों के सवालों के जवाब दे रहे किर्क की गोली मारकर हत्या, शोक में झुके झंडे

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट और टर्निंग प्वाइंट यूएसए के को-फाउंडर चार्ली किर्क (31) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना उस वक्त हुई जब किर्क यूटा वैली यूनिवर्सिटी, ओरेम में छात्रों के सवालों के जवाब दे रहे थे। तभी अचानक गोली चलने की आवाज आई और वे मंच पर गिर पड़े। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। चार्ली किर्क अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद खास लोगों में से एक थे। शोक में अमेरिकी झंडे झुकाए गए। घटना के तुरंत बाद स्वात टीम, एटीएफ पुलिस और अन्य एजेंसियों ने कैंपस को लॉकडाउन कर तलाशी अभियान चलाया। शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया था कि पुलिस ने एक संदिग्ध को पकड़ा है, लेकिन बाद में अधिकारियों ने साफ किया कि असली हमलावर अभी फरार है।

छत्तीसगढ़ में बड़ा एनकाउंटर, 10 नक्सली ढेर, 1 करोड़ का इनामी बालकृष्ण भी मारा गया

वाशिंगटन (एजेंसी)। सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को एक मुठभेड़ के दौरान शीर्ष माओवादी कमांडर मोडेम बालकृष्ण उर्फ मनोज समेत 10 नक्सलियों को मार गिराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, मुठभेड़ अभी भी जारी है, इसलिए संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मुठभेड़ के बारे में जानकारी देते हुए, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगल में मुठभेड़ शुरू हुई। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई - कमांडो बटालियन फॉर रेज़ोल्यूट एक्शन) और अन्य राज्य पुलिस इकाइयों के जवान इस अभियान में शामिल हैं। अभी भी रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ महीनों में नक्सलियों के खिलाफ कई अभियान चलाए हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी आतंकवाद को खत्म करने का लक्ष्य 31 मार्च, 2026 रखा है। इससे पहले, नारायणपुर जिले में विभिन्न इकाइयों के निचले स्तर के 16 नक्सलियों ने भी आत्मसमर्पण किया। पुलिस के अनुसार, नक्सली खोखली माओवादी विचारधारा और उनके द्वारा निर्दोष आदिवासियों पर किए जा रहे अत्याचारों से निराश थे। पुलिस अधीक्षक के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि वे (शीर्ष माओवादी नेता) स्थानीय लोगों को जल, जंगल और ज़मीन की रक्षा, समानता और न्याय के झूठे वादों से गुमराह करते हैं, और उनका शोषण और उन्हें गुलाम बनाते हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं को गंभीर शोषण का सामना करना पड़ता है, और महिला माओवादियों की स्थिति और भी बदतर है।

ऐश्वर्या राय को मिली दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत, उनके नाम और फोटो के गलत इस्तेमाल पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुरुवार को हुई सुनवाई में अदालत ने उनके नाम, फोटो और पहचान के अनधिकृत उपयोग पर रोक लगाते हुए कई संस्थाओं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को सख्त निर्देश जारी किए हैं। जस्टिस तेजस करिया की एकल पीठ ने कहा, कि ऐश्वर्या राय के नाम और छवि का बिना अनुमति इस्तेमाल उनकी निजता और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है। इसके साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट ने यह भी माना कि इस तरह की गतिविधियां अभिनेत्री की साख, प्रतिष्ठा और आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचा सकती हैं और लोगों को गुमराह कर सकती हैं कि वह किसी उत्पाद या सेवा का समर्थन करती हैं। अदालत ने उनके पक्ष में अंतरिम निषेधाज्ञा पारित की और अज्ञात पक्षों समेत सभी प्रतिवादियों को उनके नाम ऐश्वर्या राय बच्चन, संक्षिप्त नाम 'एआरबी', फोटो, समानता और व्यक्तित्व के अन्य पहलुओं के उपयोग से वाणिज्यिक या व्यक्तिगत लाभ उठाने पर रोक लगा दी। यह आदेश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीपफेक, फेस मॉर्फिंग और मशीन लर्निंग सहित सभी तकनीकों पर लागू होगा। कोर्ट ने गूगल एलएलसी को निर्देश दिया कि वह मुकदमे में उल्लिखित यूआरएल को 72 घंटों के भीतर हटाए और उन वेबसाइट संचालकों की जानकारी सीलबंद रूप में उपलब्ध कराए। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को सात दिनों के भीतर विवादित यूआरएल ब्लॉक करने का आदेश दिया गया।

सोनिया गांधी के खिलाफ याचिका खारिज... नागरिकता से पहले मतदाता सूची में नाम जुड़ने को लेकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ शिकायत को खारिज किया है, इसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी नागरिकता प्राप्त करने से पहले उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हुआ था। मामले में एक वकील द्वारा दायर याचिका को कोर्ट ने अस्वीकार किया, जिसमें पुलिस को एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

शिकायतकर्ता वकील ने दावा किया कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता प्राप्त की, लेकिन उनके नाम को 1980 की दिल्ली मतदाता सूची में शामिल था।

मारिशस और भारत सिर्फ पार्टनर नहीं एक परिवार हैं

वाराणसी(एजेंसी) । मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीन चंद रामगुलाम एवं नरेंद्र मोदी नें संयुक्त रूप से आज 11 सितम्बर, 2025 को प्रेस वार्ता की और मीडिया को सम्बोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नें कहा कि मेरे लिए गर्व का विषय है कि मुझे अपने संसदीय क्षेत्र में आपका स्वागत करने का अवसर मिल रहा है। चिर काल से काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रही है।

हमारी संस्कृति और संस्कार, सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुँचे, और वहाँ की जीवन-धारा में रच-बस गए। काशी में माँ गंगा के अविरल प्रवाह की तरह, भारतीय संस्कृति का सतत प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है। और आज,जब हम मॉरीशस के दोस्तों का स्वागत काशी में कर रहे हैं, यह केवल औपचारिक नहीं, बल्कि एक आत्मिक मिलन है। इसलिए मैं गर्व से कहता हूँ कि भारत और मॉरीशस सिर्फ़ पार्टनर्स नहीं, बल्कि एक परिवार हैं।

मॉरीशस, भारत की Neighbourhood First नीति और Vision 'महासागर' का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। मार्च में मुझे मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला। उस समय हमने अपने संबंधों को 'Enhanced Strategic Partnership' का दर्जा दिया। आज हमने द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा किए।

मैं प्रधानमंत्री रामगुलाम जी और मॉरीशस के लोगों को चागोस समझौता संपन्न होने पर हार्दिक बधाई देता हूँ। ये मॉरीशस की संप्रभुता की एक ऐतिहासिक जीत है। भारत ने हमेशा decolonization, और मॉरिशस की संप्रभुता की पूर्ण मान्यता का समर्थन किया है। और इसमें भारत, मॉरीशस के साथ दृढ़ता से साथ खड़ा रहा है।

मॉरीशस के विकास में एक विश्वसनीय और प्राथमिक साझेदार होना भारत के लिए गर्व की बात है। आज हमने मॉरिशस की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए एक Special Economic Package पर निर्णय लिया है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेगा, रोज़गार के नए अवसर पैदा करेगा, और,स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करेगा। भारत के बाहर, पहला जनऔषधि केंद्र अब मॉरीशस में स्थापित हो चुका है। आज हमने निर्णय लिया है कि मॉरिशस में AYUSH Centre of E&cellence, 500-बेड का Sir Seewoosagur Ramgoolam नेशनल हॉस्पिटल; और,Veterinary School and Animal Hospital के निर्माण में भारत सहयोग देगा। साथ ही हम चागोस मरीन प्रोटेक्टेड एरिया; स्स्क इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ATC टावर; तथा हाईवे और रिंग रोड के विस्तार जैसी परियोजनाओं को भी आगे बढ़ायेंगे।

अमित शाह ने किया फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, त्रिची, कोझिकोड और अमृतसर हवाईअड्डे पर फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि इस सुविधा से न सिर्फ प्रवासियों की सुविधा बढ़ेगी बल्कि हमें देश में होने वाले परिवर्तनों से उनका परिचय कराने का भी मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वप्न - स्पीड, स्केल और स्कोप - को इस प्रोग्राम में समाहित कर प्रवासियों की सुविधा को बढ़ाने के प्रयास का अगला चरण आज से शुरू हो रहा है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि तकनीकी टूल्स के साथ-साथ हमें एक ट्रस्ट मल्टीप्लायर का काम भी करना चाहिए और आज का कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अमित शाह ने कहा कि फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम के साथ आज से हवाईअड्डों पर सीमलैस इमीग्रेशन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सिर्फ सुविधा देने से हमारा उद्देश्य पूरा नहीं होगा बल्कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि अधिक से अधिक यात्रियों को इसका फायदा मिले। इसके लिए पासपोर्ट और ओसीआई कार्ड जारी करते समय ही हमें रजिस्ट्रेशन करने की संभावना पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि अगर हम ऐसा कर सकते हैं तो यात्रियों को दोबारा फिंगरप्रिंट और दस्तावेजों के लिए आने की जरूरत नहीं रहेगी और वे जब भी यात्रा करना चाहें तो पासपोर्ट का उपयोग कर सकेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि इस बारे में सभी तकनीकी संभावनाओं को तलाश कर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिकतम लोगों को इसका फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय नागरिकों के साथ-साथ ओसीआई कार्डधारकों को भी फायदा होगा

प्रधानमंत्री ने किया देहरादून का दौरा, उत्तराखंड में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए समीक्षा बैठक की

पीएम मोदी ने उत्तराखंड में बाढ़ के लिए 1200 करोड़ रु की वित्तीय सहायता की घोषणा की

कोलकाता (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देहरादून का दौरा किया और उत्तराखंड के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन के कारण बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा और नुकसान का आकलन करने के लिए देहरादून में एक आधिकारिक बैठक की। उन्होंने उत्तराखंड के लिए 1200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की मदद के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के माध्यम से राहत प्रदान करने और पशुओं के लिए मिनी किट वितरित करने जैसे उपाय शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के अंतर्गत, ग्रामीण क्षेत्रों में घरों के पुनर्निर्माण के लिए उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत विशेष परियोजना के अंतर्गत उन पात्र परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिनके घर बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

केंद्र सरकार ने पहले ही अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दलों को उत्तराखंड भेज दिया है, जो नुकसान का आकलन करने के लिए राज्य का दौरा करेंगे तथा उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार इस कठिन समय में राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

रायबरेली में फिर बोले राहुल गांधी- हाइड्रोजन बम आएगा, सब साफ हो जाएगा

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में एक बार फिर वोट चोरी पर तीखा बयान देकर राजनीतिक माहौल को गर्माने का काम कर दिया है। बचत भवन में आयोजित दिशा की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, कि बीजेपी को ज्यादा एजिटेट होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हाइड्रोजन बम आने वाला है और जब वह आएगा तो सब साफ हो जाएगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया, कि देशभर में वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा आग की तरह फैल रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को यह समझना होगा कि वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं। विपक्ष के नेता ने आगे कहा, कि हम गारंटी के साथ आपको प्रूफ देने वाले हैं। बेंगलुरु सेंट्रल में हमने ब्लैक एंड व्हाइट सबूत दिए हैं। आने वाले समय में एक और विस्फोटक सबूत आपके सामने रखेंगे। उन्होंने बिहार वोटर लिस्ट रिवीजन विवाद का जिक्र करते हुए कहा, कि सिर्फ बिहार ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में भी वोट चोरी की घटनाएं हुई हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे हैं। कल उनके आगमन पर एक मंत्री और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में पार्टी समर्थक कार्यकर्ता सड़क पर धरना देकर बैठ गए और राहुल गांधी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के खिलाफ कथित अपशब्दों के लिए माफी की मांग की। इस बीच प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

फिलहाल राहुल गांधी के इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। बीजेपी ने उन पर बेतुकी बातें करने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है, जबकि कांग्रेस नेता इसे सत्ता में बैठे लोगों की असली पोल खोलने की तैयारी बता रहे हैं।

तीनों सेनाओं की महिला जल यात्रा 'समुद्र प्रदक्षिणा' को रक्षा मंत्री ने हरी झंडी दिखाई

- दस महिला अधिकारी अगले 9 महीनों में लगभग 26 हजार समुद्री मील की यात्रा करेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहली बार तीनों सेनाओं की महिला जल यात्रा 'समुद्र प्रदक्षिणा' गुरुवार को मुंबई से शुरू हुई, जिसमें 10 महिला अधिकारी अगले 9 महीनों में स्वदेशी नौकायन पोत त्रिवेणी पर सवार होकर लगभग 26 हजार समुद्री मील की यात्रा करेंगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस नौकायन अभियान को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से रवाना किया। राजनाथ सिंह ने इस यात्रा को नारी शक्ति, सशस्त्र बलों की एकता, आत्मनिर्भर भारत और भारत की सैन्य कूटनीति एवं वैश्विक दृष्टिकोण का ज्वलंत प्रतीक बताया है।

नारी शक्ति और विकसित भारत के विजन को स्मरण करते हुए रक्षा मंत्री ने साउथ ब्लॉक से अपने संबोधन में कहा कि इस अभियान के दौरान महिला अधिकारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उनके दृढ़ संकल्प की लौ अंधकार को चीरती रहेगी। वे सुरक्षित घर लौटेंगी और दुनिया को दिखाएंगी कि भारतीय महिलाओं का पराक्रम किसी भी सीमा से परे है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक अगले नौ महीनों में 10 महिला अधिकारी स्वदेश निर्मित भारतीय सेना नौकायन पोत (आईएएसवी) त्रिवेणी पर सवार होकर पूर्वी मार्ग पर लगभग 26 हजार समुद्री मील की यात्रा करेंगी। वे भूमध्य रेखा को दो बार पार करेंगी और तीन महान अंतरीपों लीउविन, हॉर्न और गुड होप का चक्कर लगाएंगी। इस दौरान वे सभी प्रमुख महासागरों और दक्षिणी महासागर तथा ड्रेक पैसेज सहित कुछ सबसे खतरनाक जल क्षेत्रों को पार करेंगी। मई, 2026 में मुंबई लौटने से पहले यह दल चार अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों का भी दौरा करेगा।

वर्चुअल फ्लैग-ऑफ के दौरान साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्री के साथ प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह मौजूद थे। गेटवे ऑफ इंडिया पर पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

लेफ्टिनेंट कर्नल अनुजा वरुडकर के नेतृत्व में स्क्वाड्रन लीडर श्रद्धा पी राजू, मेजर करमजीत कौर, मेजर ओमिता दलवी, कैप्टन प्राजक्ता पी निकम, कैप्टन दौली बुटोला, लेफ्टिनेंट कमांडर प्रियंका गुसाईं, विंग कमांडर विभा सिंह, स्क्वाड्रन लीडर अरुवी जयदेव और स्क्वाड्रन लीडर वैशाली भंडारी शामिल हैं। टीम ने तीन साल का कठोर प्रशिक्षण लिया है, जिसकी शुरुआत क्लास बी जहाजों पर छोटे अपतटीय अभियानों से हुई और अक्टूबर, 2024 में अधिग्रहित क्लास ए नौका आईएएसवी त्रिवेणी तक आगे बढ़ी। उनकी तैयारी में भारत के पश्चिमी समुद्र तट के साथ इस साल की शुरुआत में मुंबई से सेशेल्स और वापस एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय अभियान शामिल था।

नितिन गडकरी ने ई20 ईंधन पर 'पेट्रोल लॉबी' के दुष्प्रचार को बताया निराधार

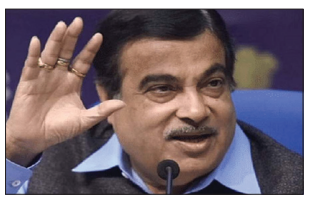

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 ईंधन को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहे विवाद को 'पेट्रोल लॉबी' द्वारा प्रायोजित दुष्प्रचार करार दिया। ई20 ईंधन में 80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत एथेनॉल होता है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर यह चिंता जताई गई कि ई20 ईंधन से वाहन की माइलेज और इंजन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। गडकरी ने फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि पेट्रोल लॉबी बहुत मजबूत और अमीर है और वह ईंधन के खिलाफ गलत प्रचार कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दुष्प्रचार निराधार है और पेट्रोलियम मंत्रालय भी ईंधन दक्षता में कमी की आशंकाओं को गलत मानता है। मंत्री ने भारतीय वाहन उद्योग में सेमीकंडक्टर चिप और दुर्लभ खनिज मैग्नेट की कमी को भी उजागर किया। ये कमियां भारत की चीन पर निर्भरता के कारण आई थीं। लेकिन उन्होंने बताया कि अब भारत में सेमीकंडक्टर चिप का उत्पादन शुरू हो चुका है। साथ ही, देश की स्टार्टअप कंपनियां नई बैटरी तकनीकों जैसे सोडियम आयन, लीथियम आयन, जिंक आयन और एल्युमीनियम आयन बैटरियों पर काम कर रही हैं। गडकरी ने पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग को भी दुर्लभ खनिज प्राप्त करने का स्रोत बताया और सरकार की प्रोत्साहन नीतियों का जिक्र किया। गडकरी ने कहा कि वैकल्पिक ईंधन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के बावजूद पेट्रोल और डीजल वाहनों की मांग बढ़ती रहेगी। वाहन विनिर्माण में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि जारी है। उन्होंने भारतीय वाहन उद्योग के विकास का जिक्र करते हुए बताया कि जब वे मंत्री बने थे, तब इसका आकार 14 लाख करोड़ रुपये था और अब भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है।

इतनी भी क्या जल्दबाजी है? यह तो एक मैच है, होने दीजिए

इतनी भी क्या जल्दबाजी है? यह तो एक मैच है, होने दीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें 14 सितंबर को होने वाले एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के भारत-पाकिस्तान मैच को रद्द करने की मांग की गई थी। मामला जब जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ के सामने पहुंचा तो कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेने से इनकार कर दिया। जस्टिस माहेश्वरी ने साफ कहा कि इतनी भी क्या जल्दबाजी है? यह तो एक मैच है, होने दीजिए। जब वकील ने दलील दी कि रविवार को मैच है और अगर शुक्रवार को सुनवाई नहीं हुई तो याचिका निरर्थक हो जाएगी तो जस्टिस माहेश्वरी ने उन्हें दो टूक जवाब दिया- मैच इस रविवार है? हम इसमें क्या कर सकते हैं? रहने दीजिए, मैच होना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह याचिका चार लॉ छात्रों ने दाखिल की है। उनका कहना है कि हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ मैच खेलना राष्ट्रीय हित के खिलाफ है। इससे शहीद हुए जवानों और नागरिकों के बलिदान का अपमान होगा। याचिका के मुताबिक जब हमारे सैनिक अपनी जान दे रहे हैं, उसी देश के साथ क्रिकेट खेलना गलत संदेश देता है और शहीदों के परिवारों की भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। याचिका में कहा गया है कि मनोरंजन को राष्ट्र की सुरक्षा और गरिमा से ऊपर नहीं रखा जा सकता।

याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से अपील की है कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, को लागू करे। सीजन बॉल क्रिकेट को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ के दायरे में लाया जाए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को खेल मंत्रालय के अधीन लाया जाए। याचिका का नेतृत्व कर रही छात्रा ने कहा कि अब समय आ गया है कि बीसीसीआई को खेल मंत्रालय के अधीन लाया जाए। एक बार राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम लागू हो गया तो बोर्ड को राष्ट्रीय खेल बोर्ड के तहत आना ही पड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ़ युवाओं के जबरदस्त आक्रोश को दुनियाँ के हर देश क़ो संज्ञान में लेना ज़रूरी

श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन तक जनता का कब्जा, बांग्लादेश में चुनावी धांधली के खिलाफ आंदोलन और म्यांमार में सैन्य तख्तापलट ने दक्षिण एशिया की राजनीति को लगातार अस्थिर बना रखा है। अब नेपाल भी उसी राह पर चलते हुए सत्ता पलट की कगार पर पहुंच गया है। इसका सीधा संकेत है कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद से जूझ रहे समाजों में युवा अब चुप बिल्कुल नहीं बैठेंगे।

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

नेपाल में पिछले कुछ दिनों में घटित राजनीतिक घटनाक्रम ने पूरे दक्षिण एशिया को हिला दियाहै।भ्रष्टाचार और परिवारवाद से त्रस्त जनता, खासकर युवाओं के जबरदस्त आक्रोश ने मात्र 36 घंटे में सत्ता की गद्दी हिला दी। पाँच पूर्व प्रधानमंत्रियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों ने स्थिति को और अधिक उग्र बना दिया। सत्ता पलट की इस तेज़ी ने यह संकेत दिया है कि नेपाल की जनता अब किसी भी कीमत पर अपारदर्शी शासन स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। जिस प्रकार आम लोग और युवा सड़कों पर उतरे, उसने यह साफ कर दिया कि दक्षिण एशिया में लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है जब वह जनता के विश्वास पर आधारित हो।नेपाल की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत यानी 62 लाख लोग युवा हैं, और यही वर्ग देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाला है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वैश्विक स्तर पर भी यह बात स्पष्ट है कि, किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के हाथों में होता है। नेपाल के युवाओं ने इस बार भ्रष्टाचार और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ अपनी ताकत दिखाकर पूरे विश्व को एक सशक्त संदेश दिया है कि अब युवा पीढ़ी नेपो बेबीस यानी नेताओं के बच्चों और वंशवाद की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। युवाओं की इस ऊर्जा ने नेपाल की राजनीति को हिला कर रख दिया है और यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जनरेशन-ज़ेड (गेन ज़ेड) अब नेपाल का नया इतिहास लिखने जा रही है?

साथियों बात अगर हम नेपाल में हालात इस कदर हद तक बिगड़ बिगड़ने की करें तो, तीनों बड़ी पार्टियों,नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी और माओवादी सेंटर,के नेताओं के घरों मेंघुसकर लोगों ने मारपीट की, घरों को आग के हवाले कर दिया और वित्तमंत्री को सड़कों पर घसीटा गया। एक पूर्व प्रधानमंत्री के घर में आगजनी के दौरान उनकी पत्नी की मौत हुई तो उधर जनाक्रोश को और अधिक भड़का दिया। यह दृश्य केवल राजनीतिक विद्रोह का नहीं बल्कि व्यवस्था के खिलाफ पूर्ण असंतोष का प्रतीक है। युवाओं का यह क्रोध इस बात का संकेत है कि अब पारंपरिक राजनीति को बदलने का समय आ चुका है।

साथियों बात अगर हम नेपाल की स्थिति की तुलना श्रीलंका और बांग्लादेश से करने की करें तो,जहाँ हाल के वर्षों में आर्थिक संकट और राजनीतिकअस्थिरता ने जनता को सड़कों पर ला दिया था।

श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन तक जनता का कब्जा, बांग्लादेश में चुनावी धांधली के खिलाफ आंदोलन और म्यांमार में सैन्य तख्तापलट ने दक्षिण एशिया की राजनीति को लगातार अस्थिर बना रखा है। अब नेपाल भी उसी राह पर चलते हुए सत्ता पलट की कगार पर पहुंच गया है। इसका सीधा संकेत है कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद से जूझ रहे समाजों में युवा अब चुप बिल्कुल नहीं बैठेंगे।

साथियों बात अगर हम नेपाल के इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने की करें तो, नेपाल की लगभग 87 प्रतिशत आबादी मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करती है, जबकि 62 प्रतिशत लोग सक्रिय रूप से फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। ट्विटर और यूट्यूब पर भी युवा लगातार अपने विचार साझा कर रहे हैं। नेताओं के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया पर अपने आलीशान जीवन और लग्ज़री छुट्टियों की तस्वीरें पोस्ट करना आग में घी का काम साबित हुआ। जब देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जूझ रही हो और नेता तथा उनके परिवार ऐशो-आराम की तस्वीरें साझा करें, तो यह जनता के लिए असहनीय हो जाता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया ने जनाक्रोश को संगठित आंदोलन में बदल दिया।

साथियों बात अगर हम भारत के पड़ोस में यहराजनीतिक उथल- पुथल चिंता का विषय होने की करें तो,नेपाल बांग्लादेश,श्रीलंका म्यांमार और पाकिस्तान सभी वर्तमान में या तो राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहे हैं या सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया में हैं। म्यांमार में सेना का शासन है, पाकिस्तान में सरकार और सेना के बीच टकराव है, श्रीलंका अब भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और बांग्लादेश में युवाओं के विद्रोह ने लोकतंत्र को झकझोर दिया है।इन सबके बीच नेपाल का यह आंदोलन दक्षिण एशिया में एक नई लहर पैदा कर सकता है।इतिहास की दृष्टि से देखें तो श्रीलंका,पाकिस्तान और म्यांमार कभी अखंड भारत का हिस्सा रहे थे। आज वे दक्षिण एशिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और सभी देशों में एक जैसी राजनीतिक चुनौतियाँ दिखाई दे रही हैं, भ्रष्टाचार बेरोजगारी, परिवारवाद, लोकतांत्रिक संस्थाओं की कमजोरी और युवा असंतोष। यही वजह है कि नेपाल की घटनाएँ केवल एक देश की समस्या नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति के लिए चेतावनी हैं।

साथियों बात अगर हम नेपाल के घटनाक्रम नेपाल में सत्ता पलट का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक होने की करें तो,भारत और नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंध हैं। दोनों देशों की खुली सीमा, व्यापार, पानी और ऊर्जा परियोजनाएँ भारत को नेपाल के साथ मजबूती से जोड़ती हैं।यदि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है तो इसका असर भारत की सुरक्षा, सीमावर्ती क्षेत्रों की शांति और आर्थिक हितों पर अवश्य पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान जैसे देश नेपाल में बढ़ती अस्थिरता का फायदा उठाकर भारत विरोधी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसलिए भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह नेपाल की स्थिरता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन दे।

साथियों बात अगर हम युवाओं के जागरूकता की करें तो नेपाल का यह विद्रोह यह भी दर्शाता है कि दक्षिण एशिया के युवाओं में अब जागरूकता का स्तर काफी बढ़ चुका है। वे केवल भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। नेपो बेबीस और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ उठी यह आवाज़ अब केवल नेपाल तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि बांग्लादेश,श्रीलंका, पाकिस्तान और यहाँ तक कि भारत में भी राजनीतिक वंशवाद के खिलाफ नई बहस को जन्म देगी।आगे चलकर नेपाल के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि यह जनआंदोलन केवल सत्ता पलट तक सीमित न रह जाए, बल्कि एक स्थायी और पारदर्शी व्यवस्था में बदल सके। यदि यह आंदोलन केवल भावनाओं के आधार पर चला और संस्थागत सुधारों तक नहीं पहुँचा, तो नेपाल बार-बार उसी राजनीतिक अस्थिरता का शिकार होगा जो पिछले तीन दशकों से जारी है। लेकिन यदि युवा इस ऊर्जा को सही दिशा देते हैं, तो नेपाल न केवल खुद को बदल सकता है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए प्रेरणा बन सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नेपाल में युवाओं का आक्रोश, सत्ता पलट और दक्षिण एशिया की राजनीति-एक अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणविश्व में युवा पीढ़ी ही अपनें देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाली है

नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ़ युवाओं क़े जबरदस्त आक्रोश को दुनियाँ के हर देश क़ो संज्ञान में लेना ज़रूरी हैं।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

बेहाल नेपाल

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन लगाने के बाद उग्र हुआ आंदोलन आखिरकार संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़कों पर लावा बनकर फूटा है। नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में घी का काम किया। नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। बहरहाल इस हिंसक प्रतिकार में 19 से अधिक युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। दरअसल, शुरुआत में सोशल मीडिया साइटों पर एक विवादास्पद प्रतिबंध ने युवा नेतृत्व वाले जेन-जेड समूह के गुस्से को भड़का दिया। यह समूह सत्ता के शीर्ष पदों पर कथित भ्रष्टाचार और उनकी संतानों के विलासी जीवन के खिलाफ अभियान चला रहा था। इस युवा ब्रिगेड ने लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके दावा किया कि मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की संतानों की फिजूलखर्ची भरी जीवनशैली अवैध धन-दौलत की बदौलत है। इस पोल-खोल अभियान से घबरायी सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का असफल प्रयास किया। सरकार का यह दांव उस पर ही उलटा पड़ा और सरकार की ही विदाई हो गई। हालांकि, युवाओं का आक्रोश देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वैसे इस आंदोलन के दौरान जिस तरह हिंसा, आगजनी व तोड़फोड़ हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। युवाओं की हिंसक भीड़ ने मंगलवार को संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया। दरअसल, आंदोलनकारी शासन व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे हैं। उनकी मांग रही कि सोमवार को पुलिस गोलाबारी में हुई मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दी जाए। अराजकता और अव्यवस्था के बीच, काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर, बालेन शाह, एक प्रभावशाली हितधारक के रूप में उभरे हैं। इस पैंतीस वर्षीय पूर्व रैपर ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करके जेन-जेड का विश्वास जीता है। उन्होंने संसद भंग करने की मांग की है। जिसके बाद सैन्य अधिकारियों और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई। निस्संदेह, मौजूदा वक्त में सेना की बड़ी भूमिका होने के बाद अब उसके व सुरक्षा एजेंसियों के लिये तात्कालिक चुनौती अस्थिर स्थिति पर नियंत्रण और सामान्य स्थिति को बहाल करने की होगी। आने वाले दिनों में व्यवस्थागत सुधारों के रोडमैप पर चर्चा के साथ बातचीत के जरिये संकट का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, ओली और उनके पूर्ववर्तियों की नीतियों की विफलता ने युवाओं में निराशा व मोहभंग को बढ़ावा दिया है। वहीं इस उथल-पुथल के मूल में नेपाली अर्थव्यवस्था का संकट भी है, जो पर्यटन और प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली रकम पर निर्भर रही है।

केरल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति

(लेखक - एल.एस. हरदेनिया)

वैसे तो केरल अनेक चीजों में अन्य राज्यों से आगे है परंतु अभी प्राप्त एक आंकड़े के अनुसार यह बताया गया है कि केरल में 1000 बच्चों की मृत्यु का आंकड़ा 1000 में से 5 है। मतलब यदि केरल में 1000 बच्चे पैदा होते हैं तो उनमें से सिर्फ 5 बच्चों की मृत्यु जन्म के समय होती है। यह आंकड़ा अमरीका से भी आगे है।

केरल में जैसा कि बताया गया है कि 1000 शिशुओं में से 5 शिशुओं की मृत्यु होती है जबकि यह आंकड़ा हमारे देश में राष्ट्रीय स्तर पर 25 है। मतलब यह कि जब 1000 बच्चे पैदा होते हैं तो उनमें से 25 बच्चे पैदा होते ही मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं।

यह आंकड़ा रजिस्ट्रार जनरल एंड सेंसस कमिश्नर द्वारा किए गए सर्वे पर आधारित है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के अनुसार उन्होंने फिर इस बात को दोहराया है कि यह आंकड़ा अमरीका में बच्चों की मृत्यु दर से भी आगे है। अमरीका में शिशु मृत्यु दर लगभग 5.6 है।

देश के अनेक राज्यों में शिशु मृत्यु दर का आंकड़ा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग होता है, परंतु केरल में ऐसी स्थिति नहीं है। केरल में यदि शहरों में 1000 में से 5 शिशु मृत्यु को प्राप्त होते हैं तो गांवों में भी 1000 में से 5 शिशु मृत्यु को प्राप्त होते हैं। दोनों का मृत्यु दर का आंकड़ा बराबर है। परंतु यदि देश में देखा जाए तो 1000 में से 28 बच्चे पैदा होते ही मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं, जिनमें शहरों में शिशुओं की मृत्यु का आंकड़ा 19 है। केरल में शहरी और ग्रामीण बच्चों की मृत्यु के आंकड़े में कोई अंतर नहीं है। इसका कारण यह है कि जो स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं आम लोगों को शहर में प्राप्त होती हैं वही सेवाएं गांवों में भी प्राप्त होती हैं। यदि आज केरल में 1000 में से सिर्फ 5 शिशु मरते हैं तो उसका श्रेय केरल में जो स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं हैं उसको जाता है।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2000 में केरल में यह आंकड़ा 7.42 था। 2012 में यह आंकड़ा 8.2 था और 2023 के आते-आते शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कोई अंतर नहीं रहा। यह इसलिए कि गांवों में भी स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उतनी ही उपलब्ध हैं जितनी शहरों में उपलब्ध हैं, उनमें कोई अंतर नहीं है।

केरल की स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का अनुभव मुझे भी है। मैं केरल में एक सम्मेलन के संबंध में गया था। रात के 12 बजे मेरे कान में एकाएक दर्द हुआ। मैंने, हमारे जो सम्मेलन के आयोजक थे उनसे कहा कि मुझे कान में बहुत दर्द हो रहा है यदि मेडिकल सहायता मिल जाए तो अच्छा होगा। तो उन्होंने कहा कि चलिए। मैंने कहा कि अभी तो अस्पताल में ओपीडी (जहां बाहर के लोगों को सुविधाएँ दी जाती हैं) बंद होगी। हमारे मध्यप्रदेश में अस्पतालों में एक समय सीमा में ओपीडी सेवा प्राप्त होती है। यदि 9 बजे से ओपीडी खुलता है तो 1 बजे बंद हो जाता है। फिर उसके बाद सिर्फ एक इमरजेंसी सेवा प्राप्त होती है। आयोजक ने बताया कि केरल में ऐसा नहीं है। केरल में 24 घंटे एक-सी सुविधा प्राप्त होती है। यदि दिन के 1 बजे रोगी को जो सुविधा प्राप्त होती है वही सुविधा रात के 1 बजे भी प्राप्त होती है। मतलब अस्पताल में सेवाएं 24 घंटे प्राप्त होती हैं। ओपीडी और नॉन-ओपीडी का कोई विभाजन वहां नहीं है। मेडिकल सुविधा शहरों और गांवों में 24 घंटे प्राप्त रहती हैं। जितनी शहर में सेवाएं उपलब्ध हैं उतनी ही गांवों में भी उपलब्ध हैं। यदि कोई पीड़ित व्यक्ति रात के 1 बजे भी अस्पताल पहुंचेगा तो उसे वही सुविधा मिलेगी जो हमारे मध्यप्रदेश में ओपीडी में प्राप्त होती है। यही कारण है कि केरल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति हुई है। केरल में शिशु मृत्यु दर 1000 में से 5 है यह प्रगति अमरीका से भी ज्यादा है और केरल में यह प्रयास है कि यह आंकड़ा और भी कम हो।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। एक धर्म को जानते हैं और एक ही धर्म का प्रतिपादन ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है।

हमारे ज्ञान की क्षमता भी ऐसी है कि हम अनंतधर्मा द्रव्य को नहीं जान सकते। हम अनंत-धर्मात्मक द्रव्य के करते हैं। एक धर्म को जानना और एक धर्म को कहना नय है। यह अनेकांत और स्याद्वाद का मौलिक स्वरूप है। उनका दूसरा स्वरूप है प्रमाण। अनंत-धर्मात्मक द्रव्य को जानना और उसका प्रतिपादन करना प्रमाण है। हम अनंतधर्मा द्रव्य को किसी एक धर्म के माध्यम से जानते हैं। इसमें मुख्य और गौण दो दृष्टिकोण होते हैं। द्रव्य के अनंत धर्मो में से कोई एक धर्म मुख्य हो जाता है और शेष धर्म गौण। नय हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिसमें हम केवल धर्म को जानते हैं, धर्मो को नहीं जानते। प्रमाण हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिससे हम एक धर्म के माध्यम से समग्र धर्मो को जानते हैं।

विचार मंथन

भारतीय उपमहाद्वीप में डीप स्टेट की सक्रियता और सज्जन शक्ति की जागरूकत

(लेखक-सनत जैन)

1980 के दशक में जब चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को लिबरलाइजेशन, प्राइवेटाइजेशन और ग्लोबलाइजेशन की दिशा में आगे बढ़ाया। वहीं भारत सामाजिक सुधार और धार्मिक उन्माद की राजनीतिक गुटबाजी में उलझ गया। उस समय भारत और चीन दोनों एक ही आर्थिक व्यवस्था में समान रूप से खड़े थे। चीन ने साहसिक फैसले लेते हुए अपने उद्योगीकरण को कम्युनिस्ट देश होने के बाद भी पूरी गति से आगे बढ़ाया। वहीं भारत मंडल आयोग की सिफारिश पर जाति आधारित आरक्षण तथा कमंडल के माध्यम से धार्मिक और सामाजिक आंदोलनों में व्यस्त था। चीन ने तत्कालीन राष्ट्रपति माओ की नीतियों को खूंटी में टांगकर आधुनिक उदारीकरण की राह अपनाई। चीन ने अपनी पुरानी नीतियों को सरल बनाया। प्राइवेट कंपनियों को बढ़ावा दिया। सरकारी हस्तक्षेप को समाप्त किया। विदेशी कंपनियों के निवेश के लिए नई आकर्षक नीतियां बनाई। उदाहरण स्वरूप, अमेरिका की टेस्ला कंपनी को चीन मे कारखाना लगाने में 3 साल का समय लगने का अनुमान था। चीन ने मात्र 18 महीनों में पूरा कारखाना खड़ा करके विश्व को चौंका दिया था। चीन ने अधिकारियों को जवाबदेह बनाया,पर्यावरण नियमों को लचीला बनाकर उत्पादन और विदेशी निवेश को प्रोत्साहित किया। चीन की सरकार और वहां के अधिकारियों ने समयबध तरीके से काम करने को अनिवार्य बनाते हुए, जिम्मेदारी सरकार और उसके अधिकारियों ने ली। जिसके कारण चीन मे बड़ी तेजी के साथ दुनिया भर के उद्योगपति और कारोबारी चीन पहुंचने लगे। देखते ही देखते चीन का औद्योगिक विकास और चीनी उत्पाद का कारोबार सारी दुनिया में फैलने लगा। वहीं भारत में लाइसेंस पाने के लिए महीनों नहीं सालो लगते थे। सरकार ने जो नियम कानून बनाए। उसको नेताओं, अधिकारियों ने सत्ता और भ्रष्टाचार के लिए नियम कानून इस तरीके से तैयार किये, कि उसमें भ्रष्टाचार बढ़ता चला गया। हम औद्योगिक विकास और सामाजिक विकास में लगातार पिछड़ते चले गए। आज भारत की संवैधानिक संस्था जिसमें न्यायपालिका हो या विधायिका या कार्यपालिका सभी में लापरवाही व भ्रष्टाचार के कारण आर्थिक और सामाजिक विकास में रोड़ा बने हुए हैं। वैश्विक व्यापार संधि के बाद जब भारत आर्थिक एवं सामाजिक सुधार के दोर पर जब सारी दुनिया में आगे बढ़ सकता था। उस समय हम पर जाति व्यवस्था धार्मिक ध्रुवीकरण और धार्मिक उन्माद को लेकर आपस में लड़ते रहे। देश को जब आर्थिक और सामाजिक विकास की दिशा में आगे बढाना जरूरी था। दुर्भाग्यवश, राजनीति की दलबंदी ने विकास की गति को धीमा कर दिया। सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास की दौड़ में हम पीछे छूटते चले गए। उस समय जो लोग विरोध में थे, वह उदारीकरण का विरोध कर रहे थे। जब वही लोग सत्ता में आए, तो उन्होंने 100 फ़ीसदी एफडीआई के लिए रास्ता खोल दिया। चीन ने पूरी दुनिया के लिए 30 वर्षों में बेजोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया। चाहे वह हाई-स्पीड मैग्लेव ट्रेन हो, या हर साल नए पुल व सड़कें बनाने का काम हो। भारत ने औद्योगीकरण की बजाय गरीबी उन्मूलन को केंद्र बिन्दू बनाया। सही मायने में भारत गरीबी का निवारण नहीं कर पाया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए, असल में उनकी आर्थिक स्थिति में बदलाव नहीं आया। चीन ने आर्थिक सुधारों से व्यापक औद्योगिक क्रांति की शुरुआत की और हर क्षेत्र में तेजी से विकास किया। आज दुनिया के अधिकांश देशों के घरों में में चाइनीज सामान पहुंच रहा है। बुलेट ट्रेन की बात दूर वहॉ मैग्लेव ट्रेन चल रही है। भारतीय इंजीनियर मेहनती हैं, पर सिस्टम ने उन्हें पीछे धकेल दिया। उन्हें काम करने का मौका ही नहीं दिया।

इसलिए अब समय आ गया है, हम चीन से सबक लें। आसान लाइसेंसिंग नीति अपनाएं, विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करें, सामाजिक मुद्दों के साथ-साथ औद्योगिक विकास पर भी ध्यान दें। भारत की विधायिका, कार्यपालिका और न्यायालय को उनके कार्यों के लिए जिम्मदार टहराया जाए। जो नियम - कानून बनाते हैं। वह परिणाम मूलक हों। समय पर कार्य करने की बाध्यता हो। न्याययपालिका भी निश्चित समय - सीमा पर त्वरित निर्णय हों। आम आदमी को स्वतंत्रता से काम करने की छूट हो। सरकारी नियंत्रण खत्म हो। चीन ने जो नीतियॉ बनाई हैं। उससे स्पष्ट है, चीन आर्थिक एवं सामरिक विकास के साथ दुनिया की महाशक्ति बनकर अमेरिका और रुस जैसे देशों के साथ बराबरी पर खड़ा हो गया है। चीन ने अन्य देशों के बाहर जो विस्तार किया है, वह उसकी सफलता का प्रतीक है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी है। प्राकृतिक संसाधन चीन से ज्यादा भारत के पास हैं। ऐसी स्थिति में विधायिका और कार्यपालिका की जिम्मदारी तय करना होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाटा टियागो ईवी बेस वेरिएंट मात्र 2 लाख डाउन पेमेंट पर घर लाएं

- कार की ऑन-रोड कीमत 8.41 लाख रुपए

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक कारों के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए अपनी लोकप्रिय कार टियागो ईवी के बेस वेरिएंट को मात्र 2 लाख रुपये डाउन पेमेंट देकर खरीदने का मौका दिया है। यह कार चार वेरिएंट में आती है, जिसकी ऑन-रोड कीमत 8.41 लाख रुपये है। अगर आप इस कार के लिए 2,00,000 डाउन पेमेंट करते हैं, तो बाकी 6,41,825 रुपए का लोन 5 साल की अवधि और 10 फीसदी ब्याज दर पर लिया जा सकता है। इस पर मासिक किस्त 13,637 रुपए होगी। 5 साल में कुल ब्याज 1,76,388 होगा और कुल भुगतान करीब 8.18 लाख रुपये के आसपास आएगा। टाटा टियागो ईवी में 19.2 किलोवाट की बैटरी लगी है, जो 60.34 बीएचपी पावर और 110 एनएम टॉर्क प्रदान करती है। कंपनी का कहना है कि यह कार एक बार चार्ज में 250 किलोमीटर की रेंज दे सकती है। इसमें फ्रंट डिस्क ब्रेक और रियर ड्रम ब्रेक, 5 सीटों की क्षमता, 240 लीटर बूट स्पेस, और एडजस्टेबल स्टीयरिंग जैसी सुविधाएं हैं। सेफ्टी के लिहाज से कार में एबीएस, दो एयरबैग, सेंट्रल लॉकिंग, और चाइल्ड सेफ्टी लॉक जैसे फीचर्स मौजूद हैं, जो परिवार के लिए इसे एक भरोसेमंद विकल्प बनाते हैं।

रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी

- 15.5 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंचा आयात

नई दिल्ली । पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखी है। वैश्विक ऊर्जा डेटा प्रदाता केप्लर के अनुसार, सितंबर 2025 के पहले नौ दिनों में भारत ने रूस से औसतन 15.5 लाख बैरल प्रतिदिन तेल खरीदा, जो अगस्त के 14.9 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक है। इंडियन ऑयल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी कंपनियों का कहना है कि रूसी तेल पर कोई सीधा प्रतिबंध नहीं है, इसलिए खरीद वैध है। रूस इस समय भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है और कुल आयात का एक-तिहाई से अधिक हिस्सा दे रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत सस्ते तेल का लाभ उठाते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। हालांकि, जुलाई में हुए सौदों की डिलीवरी अब हो रही है, इसलिए नए प्रतिबंधों का असर सितंबर के अंत या अक्टूबर में साफ दिख सकता है।

कोटेक हेल्थकेयर ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कराए

नई दिल्ली । दवा निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी कोटेक हेल्थकेयर लिमिटेड ने पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टसदाखिल किया है। कंपनी भारतीय बाजार में अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। इस प्रस्तावित आईपीओ के तहत कंपनी 295 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। इसके साथ ही 60 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी की जाएगी, जिसमें 30-30 लाख शेयर बेचे जाएंगे। कंपनी इस आईपीओ से जुटाई गई राशि में से लगभग 226.25 करोड़ रुपये का उपयोग अपनी मौजूदा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने, नई परियोजनाओं की स्थापना और नवीन उत्पादों के विकास में करेगी। इसके अलावा कुछ राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों के लिए भी किया जाएगा।

नितिन गडकरी ने ई20 ईंधन पर 'पेट्रोल लॉबी' के दुष्प्रचार को बताया निराधार

- पेट्रोलियम मंत्रालय भी ईंधन दक्षता में कमी की आशंकाओं को गलत मानता है

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 ईंधन को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहे विवाद को 'पेट्रोल लॉबी' द्वारा प्रायोजित दुष्प्रचार करार दिया। ई20 ईंधन में 80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत एथेनॉल होता है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर यह चिंता जताई गई कि ई20 ईंधन से वाहन की माइलेज और इंजन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। गडकरी ने फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि पेट्रोल लॉबी बहुत मजबूत और अमीर है और वह ईंधन के खिलाफ गलत प्रचार कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दुष्प्रचार निराधार है और पेट्रोलियम मंत्रालय भी ईंधन दक्षता में कमी की आशंकाओं को गलत मानता है। मंत्री ने भारतीय वाहन उद्योग में सेमीकंडक्टर चिप और दुर्लभ खनिज मैग्नेट की कमी को भी उजागर किया। ये कमियां भारत की चीन पर निर्भरता के कारण आई थीं। लेकिन उन्होंने बताया कि अब भारत में सेमीकंडक्टर चिप का उत्पादन शुरू हो चुका है। साथ ही, देश की स्टार्टअप कंपनियां नई बैटरी तकनीकों जैसे सोडियम आयन, लीथियम आयन, जिंक आयन और एल्युमीनियम आयन बैटरियों पर काम कर रही हैं। गडकरी ने पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग को भी दुर्लभ खनिज प्राप्त करने का स्रोत बताया और सरकार की प्रोत्साहन नीतियों का जिक्र किया। गडकरी ने कहा कि वैकल्पिक ईंधन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के बावजूद पेट्रोल और डीजल वाहनों की मांग बढ़ती रहेगी। वाहन विनिर्माण में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि जारी है।

रूस से भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति में इजाफा

- सितंबर में सप्लाई बढ़कर 15.5 लाख बैरल प्रतिदिन हुई

नई दिल्ली । पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के दबाव के बावजूद रूस से भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति नियमित और बढ़ती हुई बनी हुई है। केप्लर के वैश्विक शिपिंग डेटा के मुताबिक सितंबर के शुरुआती नौ दिनों में भारत को रूस से प्रतिदिन 15.5 लाख बैरल कच्चा तेल मिला, जो अगस्त के 14.9 लाख बैरल प्रति दिन से अधिक है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदने में रुचि रखता है। भारत की प्रमुख सरकारी तेल रिफाइनर कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। इन कंपनियों का तर्क है कि रूस के तेल पर सीधे कोई प्रतिबंध नहीं लगे हैं, इसलिए वे इसका लाभ उठा रही हैं। केप्लर के रिफाइनिंग एंड मॉडलिंग के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार स भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, जो कुल आयात का एक तिहाई से अधिक हिस्सा देता है। यह प्रतिबंधों के बीच भारत की रूस से अधिकतम रियायती तेल हासिल करने की रणनीति को दर्शाता है। जुलाई में हुए सौदों के तहत तेल की आपूर्ति सितंबर की शुरुआत में हुई है, जबकि नए प्रतिबंधों का असर सितंबर के अंत या अक्टूबर से ज्यादा साफ नजर आएगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ ही बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों मिले-जुले संकेतों के बाद भी बैंकिंग और उर्जा शेयरों में खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 123.58 अंक बढ़कर 548.73 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.40 अंक ऊपर आकर 25,005.50 पर बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.74 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 0.88 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी फार्मा 0.46 फीसदी , निफ्टी मीडिया 1.02 फीसदी , निफ्टी पीएसई 0.98 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.34 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

वहीं वाहन और आईटी शेयरों से भी बाजार पर दबाव बना। निफ्टी ऑटो 0.33 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.50 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप शेयरों भी उछला रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 44 अंक बढ़कर 58,043.55 बंद हुआ। हालांकि, निफ्टी स्मॉलकैप 17,875.20 पर करीब सपाट रहा।।

सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटरनल (जोमैटो), सन फार्मा, एसबीआई, एशियन पेंट्स, टीसीएस, आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस और आईटीसी के शेयर लाभ में रहे। वहीं इन्फोसिस, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, बीईएल, ट्रेंट और टाटा मोटर्स के शेयरों में गिरावट रही।

इससे पहले सुबह बीएसई सेंसेक्स 200 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 81,217.30 पर खुला, लेकिन खुलने के बाद यह 135.96 अंक की बढ़त लेकर 81,561.11 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी50 भी 24,945 पर खुला और जल्द ही 23.15 अंकों की तेजी के साथ 24,996 पर पहुंच गया। बाजार में सुधार की एक बड़ी वजह भारत और अमेरिका के बीच फिर से शुरू हुई व्यापार वार्ता रही। वहीं ऐ शियाई बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। निवेशक चीन के अगस्त महीने के महंगाई आंकड़ों का आकलन कर रहे थे। चीन मेनलैंड का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.13 फीसदी बढ़ा। जबकि हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 1 फीसदी गिर गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.57 फीसदी बढ़ा जबकि जापान का निक्केई इंडेक्स 0.61 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। अमे रिकी बाजार- अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.3 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। वहीं नैस्डैक मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि डॉव जोन्स में 0.48 फीसदी की गिरावट रही।

एचएमएसआई दोपहिया वाहनों की कीमत 18000 तक घटाएगी

नई दिल्ली । होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपने 350 सीसी तक के स्कूटर और मोटरसाइकिल की कीमतों में कटौती करने का निर्णय लिया है। यह फैसला हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद द्वारा दोपहिया वाहनों पर जीएसटी दर 28 से घटाकर 18 फीसदी करने के बाद लिया गया है। कंपनी ने गुरुवार कहा कि वह इस टैक्स कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देगी। इसके तहत विभिन्न मॉडलों पर एक्स-शोरूम कीमत में अधिकतम 18,800 रुपये तक की बचत होगी। एचएमएसआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह एक समयोचित और दूरदर्शी कदम है, जिससे दोपहिया वाहन ज्यादा किफायती बनेंगे और ऑटोमोबाइल सेक्टर को मजबूती मिलेगी। कीमतों में यह कटौती तुरंत प्रभाव से लागू की गई है। इससे ग्राहकों को बेहतर उत्पाद सस्ते दाम पर मिल सकेंगे।

ऑटोमोबाइल रिटेल सेक्टर कंज्यूमर और इंडस्ट्री के बीच एक इंटरफेस

-बाजार विस्तार और सप्लाई चेन को मजबूत करने केंद्र करेगा मदद

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार का ध्यान ऑटोमोबाइल उद्योग के विकास को बढ़ावा देने, रोजगार के अवसर पैदा करने और बाजार के आकार व पहुंच का विस्तार करने पर है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के सातवें ऑटो रिटेल कॉन्क्लेव और चौथे फाइनेंस एंड इंश्योरेंस समिट का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि ऑटोमोबाइल रिटेल सेक्टर कंज्यूमर और इंडस्ट्री के बीच एक इंटरफेस है, जो मार्केटिंग की नैतिकता, अच्छी गुणवत्ता वाली सेवा, उचित वित्तपोषण और बीमा शर्तों और बेहतर रजिस्ट्रेशन प्रक्रियाओं के लिए जिम्मेदार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीयूष गोयल ने कहा कि यह सेक्टर ग्राहकों और ऑटोमोबाइल कंपनियों के बीच एक सेतु का काम करता है और कंपनियों की विश्वसनीयता डीलर के काम करने और उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करने के तरीके पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल के ज्यादा किफायती होने के साथ जीएसटी सुधार का लाभ 22 सितंबर से उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा। गोयल ने बिक्री के बाद की सेवा, स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता और ग्राहकों के लिए निरंतर समर्थन के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें कंपनियां भारत में काम तो शुरू करती हैं लेकिन कुछ समय बाद ही काम बंद कर चली जाती हैं। ऐसे में ऐसी कंपनियों के उत्पादों को खरीदने वाले ग्राहकों के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। केंद्रीय मंत्री गोयल ने आगे कहा कि ऐसे मामलों में ग्राहकों की चिंताओं को दूर करने की जिम्मेदारी डीलर्स पर आ जाती है। व्यवधान को रोकने और खरीदारों की सुरक्षा के लिए उन्होंने एक फ्रेमवर्क या चार्टर बनाने का सुझाव दिया, जिसके तहत भारत में काम करने वाली सभी कंपनियों को परिचालन बंद करने की अनुमति मिलने से पहले एक निश्चित अवधि तक स्थानीय उपस्थिति बनाए रखने और बिक्री के बाद सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा।

जीएसटी दरों में कटौती से बढ़ेगी भारतीय वाहन उद्योग की रफ्तार: सियाम

नई दिल्ली । भारतीय वाहन उद्योग के प्रमुख संगठन सियाम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में हालिया कटौती का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे वाहन अधिक किफायती बनेंगे, खासकर प्रवेश स्तर के खरीदारों और मध्यम आय वाले परिवारों के लिए लाभदायक होगा। इससे व्यक्तिगत परिवहन की पहुंच बढ़ेगी और वाहन क्षेत्र को नई गति मिलेगी। पिछले वित्त वर्ष में भारतीय वाहन उद्योग ने घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यात्री वाहनों की बिक्री 43 लाख इकाइयों तक पहुंच गई, जबकि निर्यात में 7.7 लाख इकाइयों की वृद्धि हुई। दोपहिया वाहन खंड भी सुधार की ओर बढ़ रहा है, लेकिन अभी 2018-19 के स्तर से नीचे है। चंद्रा ने सरकार के कुछ प्रक्रियात्मक सुधारों के लिए भी धन्यवाद दिया, जिससे कारोबार सुगमता बढ़ेगी।

एसीएमई वीनस ऊर्जा को एसबीआई से सबसे बढ़ा वित्तपोषण मिला

400 मेगावाट एफडीआरई परियोजना शुरू

नई दिल्ली । एसीएमई सोलर होल्डिंग्स की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, एसीएमई वीनस ऊर्जा ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से 3,892 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक परियोजना वित्तपोषण हासिल किया है। यह राशि 400 मेगावाट की फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) परियोजना के विकास और निर्माण के लिए दी गई है। कंपनी के अनुसार यह एसबीआई से मिला अब तक का सबसे बड़ा वित्तपोषण है और इस परियोजना का पुनर्भुगतान 19 वर्षों में पूरा किया जाएगा। यह परियोजना राजस्थान के बाड़मेर जिले में स्थापित की जा रही है, जहां सौर ऊर्जा और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) का संयोजन किया जाएगा। बैटरी भंडारण प्रणाली के कारण परियोजना बिजली की आपूर्ति में निरंतरता और बेहतर डिस्पैच क्षमता सुनिश्चित करेगी, जो बिजली खरीद समझौते (पीपीए) की शर्तों के अनुरूप होगी। इस परियोजना के तहत एनएचपीसी के साथ प्रति यूनिट 4.64 रुपये की दर पर बिजली बेचने का अनुबंध भी किया गया है। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स एक अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी है, जिसका विविध पोर्टफोलियो सौर, पवन, भंडारण, एफडीआरई और हाइब्रिड ऊर्जा समाधानों से युक्त है। कंपनी की कुल परिचालन

क्षमता वर्तमान में 2,890 मेगावाट है। इस वित्तपोषण से न केवल कंपनी के एफडीआरई प्रोजेक्ट्स को गति मिलेगी, बल्कि यह एसबीआई द्वारा एसीएमई की एफडीआरई परियोजनाओं को दिया गया पहला वित्तपोषण भी है, जो दोनों पक्षों के लिए रणनीतिक महत्व रखता है।

चीन के आश्वासन के बावजूद भारत को खनिज और मैग्नेट की आपूर्ति नहीं मिली

- चीन ने भारत को निर्यात प्रतिबंधों में ढील देने का दिया था आश्वासन

नई दिल्ली । भारत के वाहन और अन्य उद्योगों के लिए आवश्यक महत्त्वपूर्ण खनिजों और मैग्नेट की चीन से आपूर्ति अभी तक नहीं हो पाई है। चीन ने भारत को निर्यात प्रतिबंधों में ढील देने का आश्वासन दिया था, लेकिन घरेलू कंपनियों को अभी तक कोई सप्लाई नहीं मिली है। विदेश मंत्री वांग यी ने हाल ही में भारत दौरे के दौरान इस मामले में सकारात्मक संकेत दिए थे कि ये खनिज वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल और रक्षा उद्योगों के लिए अत्यंत जरूरी हैं। चीन ने 4 अप्रैल के बाद से इन सामग्रियों के निर्यात पर कड़े नियम लागू किए हैं।

इन नियमों के तहत विक्रेताओं को निर्यात के लिए विशेष लाइसेंस लेना होता है, जिससे निर्यात प्रक्रिया जटिल और लंबी हो गई है। नए नियमों के अनुसार आयातकों को यह गारंटी देनी होती है कि सामग्री का दोहरा उपयोग या रक्षा से संबंधित उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं होगा। इस प्रक्रिया में देरी के कारण सप्लाई में बाधाएं आई हैं, जिससे भारतीय उद्योग प्रभावित हुए हैं। चीन से आवश्यक खनिजों की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए भारत राजनयिक स्तर पर वार्ता कर रहा है। जून में वाहन उद्योग ने सरकार के समक्ष चिंता जताई थी कि इन कच्चे माल की आपूर्ति में देरी से इलेक्ट्रिक वाहनों सहित वाहन निर्माण प्रभावित हो रहा है। सरकार और उद्योग इस मुद्दे के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

हायर अप्लायंसेज में हिस्सेदारी खरीदने से मित्तल परिवार ने किया नाम वापस

- चीन की प्रवर्तक कंपनी हायर ने 2004 में भारतीय बाजार में किया था प्रवेश

नई दिल्ली ।

अरबपति उद्योगपति सुनील भारती मित्तल के परिवार कार्यालय ने हायर अप्लायंसेज (इंडिया) में 49 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की बातचीत से पीछे हटने का फैसला किया है। मुख्य वजह कंपनी के मूल्यांकन को लेकर सहमति न बन पाना बताया जा रहा है। हायर ग्रुप, जो चीन की प्रवर्तक कंपनी है, ने लगभग 2 अरब डॉलर (17,100 करोड़ रुपये) का मूल्यांकन रखा था, लेकिन बाजार से जो बोली मिली, वह लगभग 60 करोड़ डॉलर की थी जो मांग से काफी कम थी। दूसरी ओर, कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया अपने प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का आकार घटाने पर विचार कर रही है। कंपनी ने 15,000 करोड़ रुपये के आईपीओ को लगभग 12,000-13,000 करोड़ रुपये तक सीमित करने की संभावना जताई है। साथ ही कंपनी अब पहले से कम हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। हायर इंडिया शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने पर भी विचार कर सकती है, लेकिन इस विषय पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। हायर ग्रुप ने भारत में अपनी हिस्सेदारी बेचने की संभावना तलाशने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ भी बातचीत की थी, लेकिन कोई सौदा नहीं बन पाया। यह प्रस्तावित सौदा चीन की कंपनियों द्वारा भारत में अपनी हिस्सेदारी कम करने की रणनीति का हिस्सा है। पिछले साल एसएआईसी मोटर ने एमजी मोटर इंडिया में अपनी हिस्सेदारी सज्जन जिंदल समूह को बेची थी, जबकि एंट ग्रुप ने पेटीएम में अपनी हिस्सेदारी थोक में बेची थी। हायर ने 2004 में भारतीय बाजार में कदम रखा था और वर्तमान में रेफ्रिजरेटर सेगमेंट में 14 फीसदी हिस्सेदारी रखता है। कंपनी ने 2023 में 155.6 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि 2022 में उसे 63.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। 2023 में कंपनी की कुल बिक्री 6,305.5 करोड़ रुपये रही। भारत में होम अप्लायंसेज बाजार 2025 तक 64.3 अरब डॉलर पहुंचने और 2030 तक सालाना 7.3 फीसदी की वृद्धि दर दिखाने का अनुमान है।

घरेलू एल्युमीनियम उद्योग को नीतिगत सुधारों की जरूरत: हिंडाल्को

नई दिल्ली ।

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के एक मुख्य अे धिकारी ने कहा है कि घरेलू एल्युमीनियम उद्योग को विकास के अगले चरण में ले जाने के लिए कई नीतिगत उपायों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, आयातित मशीनरी पर आयात शुल्क का सुधार और भारतीय गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन इस उद्योग की मजबूती के लिए जरूरी हैं। उन्होंने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए उद्योग की तीन मुख्य प्राथमिकताएं बताईं। पहली, बेहतर डाई तक पहुंच जिससे उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार हो। दूसरी, सर्कुलरिटी और रीसाइकलिंग को अपनाकर संसाधनों की बचत। तीसरी, डिजिटलीकरण के माध्यम से लागत कम करना और नवाचार को बढ़ावा देना। उन्होंने सरकार के एल्युमीनियम विजन दस्तावेज का हवाला देते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों में एल्युमीनियम की खपत वर्तमान 50 लाख टन से बढ़कर 1 करोड़ टन तक पहुंच जाएगी। इसके पीछे तेज शहरीकरण, औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे पर खर्च और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा स्रोतों की बढ़ती मांग मुख्य कारण होंगे।

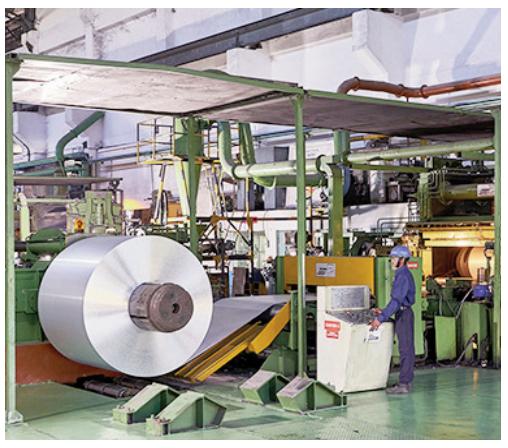

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया कप में आज होगा पाकिस्तान और ओमान का मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को पाकिस्तान टीम ग्रुप ए के अपने पहले मैच में ओमान पर बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी। पाक ने एशिया कप से पहले त्रिकोणीय सीरीज भी यहां खेली थी जिसके अनुभवों का लाभ टीम उठाना चाहेगी। उसने फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराया था जिससे भी उसके खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। उस मैच में स्पिनर मोहम्मद नवाज ने हैट्रिक बनाई थी और वह फिर से यहां की स्पिनरों की सहायक पिच पर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

पाक कप्तान सलमान आगा ने कहा था, ''हम त्रिकोणीय सीरीज में इस तरह से तैयारी करना चाहते थे जिससे हमें एशिया कप के लिए सहायता मिले और हमने ऐसा किया। हम घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अब हमारी टीम बहुत अच्छी स्थिति में हैं और मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'' ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई शामिल की टीमें शामिल हैं। इस मैच के बाद पाक को रविवार को भारतीय टीम से खेलना है जिसको देखते हुए भी टीम ओमान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। इन दोनों टीमों का सुपर 4 और फाइनल में भी मुकाबला हो सकता है।

पाकिस्तान ने एशिया कप के लिए एक युवा टीम भेजी है जिससे उससे अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद है। युवा सैम अयूब, फखर जमां, मोहम्मद नवाज़, सूफियान मुकीम जैसे खिलाड़ियों से पाकिस्तान को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं जतिंदर सिंह की कप्तानी में ओमान

की टीम इस मुकाबले में अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। ओमान के लिए यह बड़ा मुकाबला होगा जिसमें उसके खिलाड़ी इस मैच में अपनी क्षमताएं दिखाना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तान-फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, सईम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर।

ओमान- जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान।

काउंटी चैंपियनशिप 2025 में खेलेंगे वाशिंगटन सुंदर, इस टीम से जुड़े

लंदन (एजेंसी)। भारतीय हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप 2025 अभियान के आखिरी दो मैचों के लिए हैम्पशर से जुड़ गए हैं। इंग्लिश काउंटी टीम ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। हैम्पशर ने समरसेट और सरे के खिलाफ अपने मुकाबलों के लिए इस 25 वर्षीय ऑलराउंडर से अनुबंध किया है।

हैम्पशर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आपका स्वागत है, वाशिंगटन। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर हमारे आखिरी दो काउंटीचैंप मैच के लिए हमारी टीम से जुड़ेंगे।' हैम्पशर के क्रिकेट निदेशक जाइल्स वाइट ने उनके अनुबंध पर खुशी व्यक्त की। वाशिंगटन ने भारत और इंग्लैंड के बीच हुई पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया था। वाइट ने कहा, 'काउंटी चैंपियनशिप के लिए वाशिंगटन को क्लब में शामिल कर हमें खुशी हो रही है। इस गर्मी में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की श्रृंखला उनके लिए शानदार रही। समरसेट और सरे के खिलाफ आने वाले दो मैचों में वह अहम भूमिका निभाएंगे।'

इस पांच मैचों की श्रृंखला में वाशिंगटन ने 47 के औसत से 284 रन बनाए जिसमें ओल्ड ट्रैफर्ड में बनाया गया उनका पहला शतक भी शामिल है। उन्होंने सात विकेट भी लिए। वाशिंगटन काउंटी क्रिकेट में दूसरी बार खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने 2022 में लंकाशर के लिए चैंपियनशिप और वनडे कप खेला था। हैम्पशर ने वाशिंगटन के तौर पर इस साल दूसरे भारतीय खिलाड़ी से अनुबंध किया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इस सत्र में चैंपियनशिप में टीम के पहले चार मैच में खेले थे।

शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन का किया खुलासा, कहा- गेंदबाजी कोच ने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है

दुबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण शिवम दुबे की गेंदबाजी में भूमिका सीमित हो गई थी लेकिन वह भारतीय टीम के लिए अदद ऑलराउंडर बनना चाहते हैं जिसमें उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मार्गदर्शन मिल रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच में दो ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लेने वाले दुबे ने एक तेज गेंदबाज के रूप ने अपने खेल में सुधार के संबंध में मोर्कल की भूमिका के बारे में बात की।

दुबे ने भारत की 9 विकेट से जीत के बाद कहा, 'जब से मैं इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापस आया हूं, तब से मोर्ने मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है और मैंने उन पर अमल किया है।' इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने मुझे ऑफ स्टंप से थोड़ा बाहर की लाइन पर गेंदबाजी करने को कहा। उन्होंने धीमी गेंद करने को लेकर भी मेरे साथ काम किया और मेरे रन-अप में भी थोड़ा बदलाव किया। मुख्य कोच और कप्तान ने मुझे बताया था कि मेरी गेंदबाजी की भूमिका अहम होगी।'

IPL के बाद दुबे को अपने ऑलराउंड खेल और फिटनेस पर काम करने के लिए दो महीने का समय मिला। दुबे का ढ्ढक्क में उनकी फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स पावर-हिटर के रूप में ज्यादा इस्तेमाल करती है।

दुबे ने कहा, 'पिछले दो महीनों में, मैंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मुझे पता है कि बीच के ओवरों में मुझे (एक पावर-हिटर के तौर पर) अपनी भूमिका निभानी है। मैं जानता हूं कि पिछले कुछ वर्षों में गेंदबाजों ने मुझे शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया है और मैंने अपने शॉट्स की रेंज बढ़ाने पर काम किया है।'

इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, विकेट धीमा होता जाएगा और मैं जानता हूं कि तब मेरी धीमी गेंदें प्रभावी होंगी। मैं यह भी जानता हूं कि बीच के ओवरों में कैसे बल्लेबाजी करनी है।' एक ऑलराउंडर के रूप में दुबे को कई बार हार्दिक पंड्या की चुनौती का सामना करना पड़ता है, लेकिन मुंबई के इस ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि उनके बीच किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हार्दिक मेरे भाई की तरह हैं जिनसे मैं बहुत कुछ सीखता हूं क्योंकि IPL और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका अनुभव मुझसे कहीं अधिक है। मेरा प्रयास हमेशा उनसे कुछ न कुछ सीख लेना होता है।'

महिला एकदिवसीय विश्व कप में केवल महिलाएं ही रहेंगी अंपायर और रेफरी : आईसीसी

-विश्व कप क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार होगा

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि भारत और श्रीलंका में इसी माह के अंत में शुरु होने जा रहे महिला एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में सभी अंपायर और रेफरी महिलाएं ही रहेंगी। विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इसमें केवल तीन भारतीय महिलाओं को ही मैच अधिकारी के तौर पर रखा गया है। महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट इतिहास में यह पहली बार होगा जब टूर्नामेंट की सारी मैच अधिककारी और अंपायर महिलाएं होंगी।

इससे पहले साल 2022 में हुए राष्ट्रमण्डल खेलों और आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में भी मैच अधिकारी

और अंपायर की भूमिका में महिलाएं रही हैं। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, यह महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक अवसर है। मैच अधिकारियों के रूप में महिला पैनल का शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि है, ये क्रिकेट में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के प्रति आईसीसी की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।

उन्होंने कहा, यह विकास प्रतीकात्मक मूल्य से कहीं आगे जाता है। यह ऐसे सार्थक रोल मॉडल के निर्माण के बारे में है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर सकें। वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता को उजागर करके, हमारा उद्देश्य आकांक्षाओं को जगाना और इस बात को पुष्ट करना है कि क्रिकेट में नेतृत्व और प्रभाव लिंग-भेद से परे है। शाह ने कहा, महिलाओं के खेल के विकास में एक नए अध्याय को मान्यता देते हुए हमें गर्व हो रहा है। हमारा मानना ??है कि इस पहल का प्रभाव इस टूर्नामेंट से कहीं आगे तक जाएगा, जिससे दुनिया भर में अधिक से अधिक अधिकाधिक महिलाओं को अंपायरिंग करियर अपनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। आईसीसी रेफरियों के पैनल में तीन भारतीय महिलाएं जीएस लक्ष्मी रेफरी होंगी जबकि वृंदा राठी और गायत्री वेणुगोपालन अंपायर होंगी।

आईसीसी मैच अधिकारियों का पैनल

मैच रेफरी : ट्रुडी एंडरसन, शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा।

अंपायर : लॉरेन एजेनबैग, कैंडेस ला बोर्डे, किम कॉटन, सारा दंबनेवाना, शथिरा जाकिर जेसी, केरिन क्लास्टे, जननी एन, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, गायत्री वेणुगोपालन, जैकलीन विलियम्स।

'कुलदीप यादव अब शायद अगला मैच न खेलें': मांजरेकर ने इशारों में गौतम गंभीर की आलोचना की

दुबई (एजेंसी)। कुलदीप यादव ने दुबई में भारत के लिए एशिया कप अभियान की शानदार शुरुआत की और UAE के खिलाफ केवल 4.3 ओवर में 57 रनों पर ढेर करके रिकॉर्ड तोड़ जीत में मदद की। शुरुआत से ही भारतीय टीम का दबदबा रहा, क्योंकि जसप्रीत बुमराह की बेहतरीन यॉर्कर ने शुरुआत की - लेकिन कुलदीप द्वारा फेंके गए 9वें ओवर में बाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने तीन विकेट लिए, UAE के बल्लेबाजों को धूल चटाई और 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता।

इंग्लैंड में भारत के सभी 5 टेस्ट मैचों में बेंच पर बैठने के बाद टीम में वापसी करने वाले इस खिलाड़ी ने तुरंत ही अपनी छाप छोड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से अपना हुनर दिखाने के लिए बेताब था। कुलदीप के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन साथ ही एक चेतावनी भी दी, उन्हें अक्सर टीम में अंदर-बाहर होते देखा गया है, और संजय मांजरेकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जाहिर कर दिया कि कुलदीप की भागीदारी और समावेशन को जिस तरह से संभाला गया है, उससे वे पूरी तरह सहमत नहीं हैं। मांजरेकर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखते हुए कहा, 'कुलदीप ने एक ओवर में 3 विकेट लिए। अब शायद अगला मैच न खेलें।' उन्होंने एक मजाकिया इमोजी भी लगाई ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी टिप्पणी को सही अर्थ में लिया जाए।

कुलदीप टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी, दोनों में भारत की जीत का अहम हिस्सा रहे थे। कई लोगों का मानना है कि उन्हें टेस्ट सीजन में टीम का हिस्सा होना चाहिए था, खासकर जब गौतम गंभीर को नतीजे हासिल करने में मुश्किल हो रही थी। हालांकि इस लेग स्पिनर को एक ऐसे देश में एक विशुद्ध स्पिनर होने का दुर्भाग्य मिला है जहां कई स्पिन गेंदबाज हैं जो बल्ले से भी कमाल दिखा सकते हैं। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें रवींद्र जडेजा और हाल ही में वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी संघर्ष करना पड़ा है।

अर्शदीप को टीम में जगह न मिलने से अश्विन नाखुश, कहा- गंभीर के कोच बनने के बाद से एसा हो रहा

स्पोर्टस डेस्क। टी20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज को यूएई के खिलाफ टी20 एशिया कप 2025 मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। भारत ने जसप्रीत बुमराह के रूप में केवल एक मुख्य तेज गेंदबाज और दो अन्य तेज गेंदबाज हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को खिलाया। दुबई की परिस्थितियां स्पिनरों के अनुकूल थी और भारत ने यूएई को मात्र 57 रनों पर समेट दिया लेकिन पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन मौजूदा गेंदबाजी संयोजन से खुश नही हैं। अश्विन का मानना है कि अर्शदीप सिंह को टीम का हिस्सा होना चाहिए और मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यभार संभालने के बाद से उन्हें बेंच पर बैठाया गया है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अर्शदीप का बाहर होना हैरानी की बात है लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। गौतम गंभीर के कोचिंग शुरू करने के बाद से ऐसा होता आ रहा है। अर्शदीप पूरी चैंपियंस ट्रॉफी भी नहीं खेले। यह एक तरह से एक विषय रहा है। शायद दुबई की परिस्थितियों को देखते हुए वे स्पिनरों को तरजीह दे रहे हैं। जब गंभीर ने केकेआर के लिए खिताब जीता था तब भी वह स्पिन पर पूरी तरह से दांव लगा रहे थे।' अश्विन ने आगे कहा, 'यही टीम हमें टी20 विश्व कप तक देखने को मिल सकती है। लेकिन मुझे संदेह है कि यह संयोजन एक अच्छी टीम के खिलाफ काम कर सकता है। यह काफी जोखिम भरा है। अर्शदीप एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे खिलाड़ी को लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा। मुझे पता है कि शिवम दुबे ने कुछ विकेट लिए हैं लेकिन यह ऐसा गेंदबाजी संयोजन नहीं है जिससे मैं सहमत होऊं।' अर्शदीप ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीमित ओवरों की सीरीज के बाद से कोई मैच नहीं खेला। वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी नहीं खेले। इसके अलावा उन्हें एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका भी नहीं मिला। अश्विन ने 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए अर्शदीप को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने का समर्थन किया।

एशिया कप : सैमसन को शामिल कर गंभीर ने दिखाया उनके प्रति भरोसा

दुबई । एशिया कप की शुरुआत से पहले कहा जा रहा था कि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को पहले मैच में जगह नहीं मिलेगी पर ये अंदाजा गलत निकला। सैमसन ने भले ही पारी की शुरुआत नहीं की पर उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया।

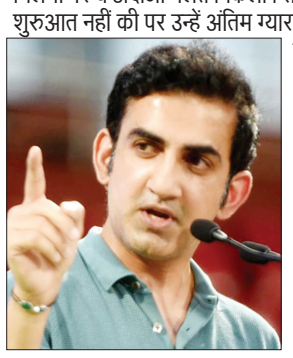

इससे साफ है कि कोच गंभीर अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं। गंभीर की सबसे बड़ी खासियत है कि वो हमेशा अपने खिलाड़ियों में तब आत्मविश्वास जगाते है जब वह कठिन दौर से गुजरते हैं। साल 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स में कोच बने गौतम गंभीर ने ही तेज गेंदबाज हर्षित राणा के करियर को आगे बढ़ाया है। राणा ने 19 विकेट लेकर आईपीएल में तब केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। राणा ने बताया, 'उन्होंने सत्र से पहले मुझसे कहा था। तुम सभी 14 मैच खेलोगे, चाहे तुम कितने भी रन दो। अगर तुम 70 या 80 रन पर दे दो तो भी अपना आत्मविश्वास बनाए रखना और आक्रामक बने रहना। इससे मेरा मनोबल बढ़ा और में बेहतर गेंदबाजी कर पाया। इसी कारण मैं बिना किसी डर के आगे सका। ' सैमसन को भी इसी प्रकार गंभीर ने कठिन समय से निकाला। गंभीर के आने से पहले सैमसन खराब फॉर्म से गुजर रहे थे। भारतीय टीम में भी उनकी जगह पक्की नहीं थी पर गंभीर ने उन्हें पारी की शुरुआत का अवसर देकर सबकुछ बदल दिया।

विश्व चैंपियनशिप में पदक पक्का, पूजा रानी पहुंची सेमीफाइनल में

लिवरपूल (एजेंसी)। भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया।

पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में किशोरी कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए।

इस बीच भारत के पुरुष मुक्केबाजों के

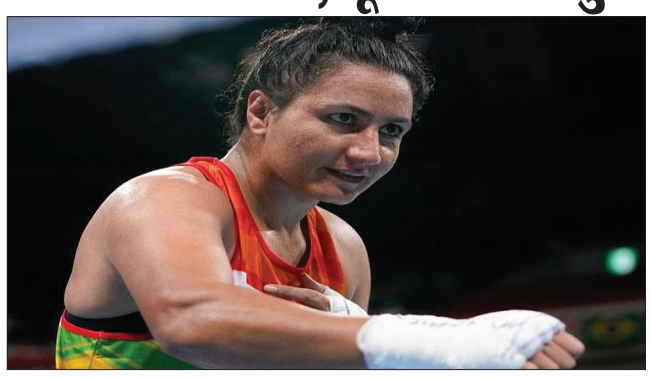

अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हार गए। उनके बाहर होने के बाद पुरुष वर्ग में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा) ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा। इस तरह से भारतीय पुरुष मुक्केबाजों का ताशकंद में खेली गई पिछली विश्व चैंपियनशिप की तुलना में यहां प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

पिछली प्रतियोगिता में दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। महिलाओं की पिछली प्रतियोगिता नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी जिसमें नीतू घंघास (48 किग्रा), निकहत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते थे।

पूजा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले राउंड में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने पलटवार करते हुए यह राउंड 3-2 से जीत लिया। एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता पूजा ने दूसरे राउंड में अच्छी वापसी करके बड़ी बढ़त हासिल की। तीसरे राउंड तक दोनों मुक्केबाज थक चुकी थीं, लेकिन पूजा ने धैर्य बनाए रखा और आखिर में अपने नाम पर पदक पक्का किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला स्थानीय मुक्केबाज एमिली एस्क्रिथ से होगा।

तेंदुलकर, विराट और युवराज के एलिट क्लब में शामिल हुए शुभमन गिल

-145 पारियों में 6000 रन पूरे किए 18 शतक भी लगाए

नई दिल्ली । शुभमन गिल टेस्ट कप्तान बनने के बाद बल्लेबाजी जैसे और निखर गई। उसके बाद उनकी टी20 टीम में भी वापसी हुई और वो भी बतौर उपकप्तान। इस बीच वह 25 की उम्र में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। शुभमन गिल 8 सितंबर को 26 साल के हो गए। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और युवराज सिंह के एलिट क्लब में भी शामिल हो गए। बता दें 26 साल के होने से पहले भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की एलिट लिस्ट। लिस्ट में सबसे ऊपर सचिन तेंदुलकर का नाम हैं। उन्होंने 26 साल का होने से पहले ही भारत के लिए 12978 रन बनाए थे। उन्होंने ये रन 309 पारियों में बनाए। इस दौरान उन्होंने 40 अंतरराष्ट्रीय शतक भी लगाए थे। वहीं 26 साल की उम्र से पहले भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली दूसरे नंबर पर हैं। कोहली ने 211 पारियों में 8728 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 26 शतक लगाए। इस सूची में तीसरे नंबर युवराज सिंह आते हैं। उन्होंने 26 साल की उम्र से पहले भारत के लिए 211 पारियों में 6661 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 11 शतक निकले थे। और अब 26 साल की उम्र से पहले 6000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरा करने वाले शुभमन गिल भारत के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 145 पारियों में 6000 रन बनाए हैं। इसमें 18 शतक शामिल हैं। शुभमन गिल ने इस सूची में मौजूद युवराज सिंह के मुकाबले कम पारियों में 6000 रन वाले क्लब में एंट्री ली। युवराज ने जहां 211 पारियों में 6661 रन बनाए वहीं गिल ने 145 पारियों में 6000 रन पूरे किए हैं। इस दौरान युवी ने 11 शतक लगाए जबकि गिल ने कम पारियों में 18 शतक जड़े।

ब्रोंको टेस्ट के खिलाफ उतरे सुनील गावस्कर... हर व्यक्ति का शरीर अलग होता

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष टीम में खिलाड़ियों के चयन के लिए ब्रोंको टेस्ट शुरू करने की योजना ने सभी का ध्यान खींचा है। यह एक ऐसा टेस्ट है जो एथलीटों को अपनी हृदय संबंधी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। ब्रोंको टेस्ट क्रिकेट के लिए भले ही नया हो, लेकिन रग्बी में इसका इस्तेमाल लंबे समय से होता रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इसके खिलाफ कहा कि इस तरह के टेस्ट के आधार पर खिलाड़ियों का चयन करना काफी अनुचित है। गावस्कर ने लिखा, हालांकि यह जानने के लिए कि किसी खिलाड़ी को अपने शरीर को कहां मजबूत करने की जरूरत है, ये टेस्ट करवाना ठीक है, लेकिन राष्ट्रीय टीम में चयन का फैसला इनसे करवाना थोड़ा ज्यादा है। हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है, इसलिए टीम में सभी के लिए एक ही मानक रखना करीब असंभव है। खिलाड़ी की विशेषता और उसके लिए दी जाने वाली छूट का ध्यान रखना जरूरी है। उदाहरण के लिए एक विकेटकीपर, जो पूरे दिन लगातार घूमता रहता है, उस दूसरे खिलाड़ियों कील तुलना में अलग फिटनेस स्तर की आवश्यकता होती है। गावस्कर ने लिखा कि कोई भी परीक्षा उस खिलाड़ी की मानसिक शक्ति से बड़ी नहीं होती। उन्होंने कहा, अपने देश के लिए सर्वोच्च स्तर पर खेलने की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा को मापा नहीं जा सकता, क्योंकि यह दो कानों के बीच की बात है।

रोनाल्डो का खेल देखकर प्रेरणा लेते हैं एशिया कप स्टार हॉकी खिलाड़ी अभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप हॉकी में भारत की खिताबी जीत के सूत्रधार रहे फॉरवर्ड अभिषेक के लिए क्रिस्टियानो रोनाल्डो प्रेरणास्रोत रहे जिन्हें देखकर ही उन्होंने काफी कुछ सीखा। हाल ही में राजगीर में हुए एशिया कप में भारत ने फाइनल में पिछली चैम्पियन दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब जीता और अगले साल नीदरलैंड तथा बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

अभिषेक ने टूर्नामेंट में छह गोल किये और कई गोलों में सूत्रधार रहे। उन्होंने इंटरव्यू में कहा, 'मुझे अंदर से लग तो रहा था कि यह टूर्नामेंट कुछ खास होगा लेकिन यह नहीं सोचा था कि प्लेयर आफ द टूर्नामेंट बनूंगा।% उन्होंने कहा, 'अब हमे विश्व कप की तैयारी के लिए लंबा समय मिल गया है। अपनी बात करूं तो मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है जो आगामी टूर्नामेंटों और विश्व कप में काफी काम आएगा।'

पेरिस ओलंपिक 2024 कांस्य पदक और हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के सदस्य रहे अभिषेक ने बताया कि उनके खेल पर पुर्तगाल के महान फुटबॉलर रोनाल्डो का काफी प्रभाव है और उनके मैच देखकर वह काफी कुछ सीखते हैं। भारत के लिए 113 मैचों में 48 गोल कर चुके इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'मेरे बचपन के कोच शमशेर दहिया मेस्सी के फैन हैं और मुझे वैसा ही बनाना चाहते थे। लेकिन मुझे रोनाल्डो पसंद है। मैं उनके मैच देखता हूं जिनसे स्कोरिंग, पोजिशनिंग, टाइमिंग और शूटिंग के बारे में सीखता हूं।'

उन्होंने कहा, 'फुटबॉल और हॉकी दोनों टीम खेल हैं और गेंद से ही खेली जाती है। पूरा खेल रनिंग और इंड्यूरेंस का है जिसमें पोजिशनिंग काफी अहम होती है और इसमें मेरे प्रेरणास्रोत रोनाल्डो हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय खिलाड़ियों में सरदार सिंह मुझे बहुत पसंद हैं और उनको देखकर ही मैंने हॉकी खेलना शुरू किया था। लेकिन मेरे भारतीय टीम में आने से पहले उन्होंने खेल को अलविदा कह दिया था तो मुझे उनके साथ खेलने का मौका नहीं मिला।' अपने भाई आशीष और एक दोस्त को देखकर हॉकी स्टिक थामने वाले अभिषेक ने बताया कि बचपन में कलाई में चोट लगने के बाद उनके माता-पिता ने आगे हॉकी खेलने से मना कर दिया था लेकिन कोच ने उन्हें राजी किया और हिन्दी शिक्षक रहे अपने पहले कोच की सलाह वह आज भी लेते हैं। उन्होंने कहा, 'शमशेर सर को आधुनिक हॉकी के बारे में ज्यादा नहीं पता लेकिन मेरे खेल के बारे में वह बहुत कुछ बताते हैं। मैं उनसे सलाह लेता रहता हूं। भारतीय टीम के कोच क्रेग फुल्टोन से भी अपने खेल के बारे में खुलकर बात करता हूं।' यह पूछने पर कि एशिया कप में जीत का जश्न कैसे मनाया, अभिषेक ने कहा कि परिवार के साथ समय बिताना ही सबसे बड़ा जश्न है चूंकि अधिकांश समय वह घर से बाहर रहते हैं। उन्होंने कहा, 'एशिया कप में परिवार से कोई नहीं आया था क्योंकि भाभी मां बनने वाली है। भैया भाभी ने हॉकी इंडिया लीग के मैच देखे थे। एशिया कप से लौटने के बाद हम सभी ने साथ में डिनर किया और यही मेरे लिये जश्न जैसा था ।28 सितंबर को शिविर में लौटना है तो उससे पहले परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहता हूं।' पंजाब नेशनल बैंक में सीनियर मैनेजर के पद पर तैनात अभिषेक की ख्वाहिश विश्व कप में 50 साल के सूखे को खत्म करने की है और उन्हें यकीन है कि इस टीम में वह काबिलियत है। उन्होंने कहा, 'हमने 50 साल से विश्व कप नहीं जीता और मुझे लगता है कि यह टीम जीत सकती है क्योंकि हम शीर्ष टीमों को हरा चुके हैं। हमें बस निरंतरता पर काम करना होगा क्योंकि किसी मैच में तो हम बहुत अच्छा खेलते हैं तो किसी में खराब भी हो जाता है।' उन्होंने कहा, 'हमें डीप डिफेंस और सर्कल के भीतर फिनिशंग पर थोड़ा और काम करना होगा। अपने खेल की बात करूं तो मुझे अपने

बेसिक्स को और दुरूस्त करना होगा।'

उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी के स्वर्णिम दौर को लौटाने के लिये इस टीम को जीत की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि 1975 से पहले वाला हमारा स्वर्णिम दौर वापिस लौटे जब हमने ओलंपिक में इतने पदक जीते। मैं चाहता हूं कि हर बड़े टूर्नामेंट में हम देश के लिए पदक जीते। पदक जीतने की हमें आदत पड़ जानी चाहिए। हम उस दिशा में आगे बढ रहे हैं। दो ओलंपिक में कांस्य जीत चुके हैं लेकिन अब पदक का रंग बदलना होगा।'

ओपन बैडमिंटन : सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

हांगकांग। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी जीत के साथ ही हांगकांग ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। रंकीरेड्डी और चिराग ने राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड के खिलाफ मैच में पहले सेट में 18-21 से मिली हार के बाद दूसरे सेट में 21-15 से वापसी की और मुकाबला 1-1 से बाराबरी पर ला दिया। सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड की जोड़ी पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल से था जिसमें करीब डेढ़ घंटे तक चले इस मैच में कुल तीन सेट का मुकाबला हुआ जिसे भारतीय जोड़ी ने 2-1 से जीत लिया। तीसरे सेट में सात्विक और चिराग ने काफी आक्रामक खेल दिखाया जिसमें उनके स्मैश और तेज रिफलेक्सेस के सामने थाई जोड़ी टिक नहीं पायी। इस जोड़ी को निर्णायक सेट में 21-11 के बडे अंतर से हार का सामना करना पड़ा। अब सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलेशिया की जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप की जोड़ी से सामना होगा। इससे पहले सात्विक और चिराग की जोड़ी को राउंड ऑफ 32 में ताइवान की जोड़ी के खिलाफ भी कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा था जिसमें उन्होंने पहला सेट तो 21-13 के अंतर से जीता लेकि दूसरे सेट में 18-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद तीसरे सेट को 21-10 के अंतर से जीतकर वह राउंड ऑफ 16 में पहुंचे थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।

मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

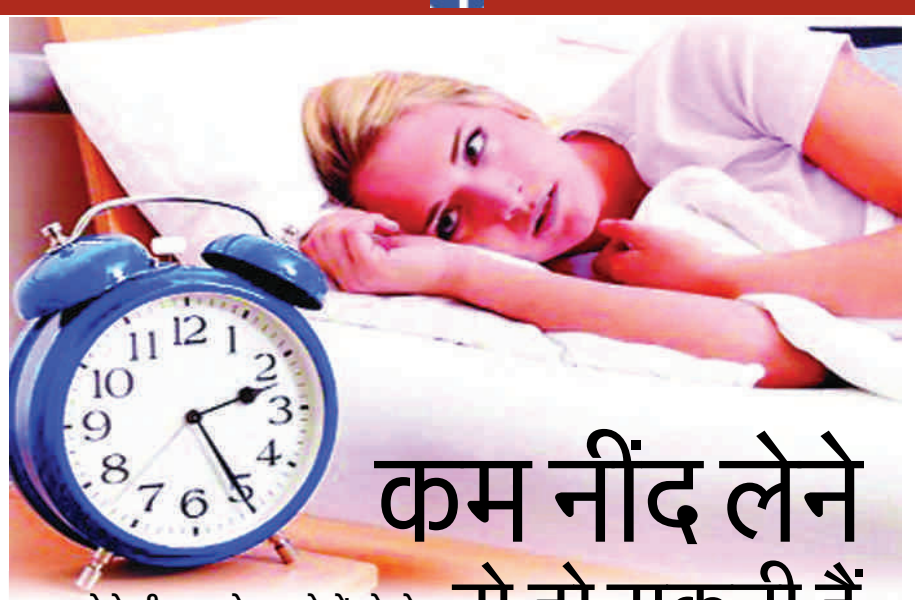

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमारियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?

यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए **तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'**

यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।

एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
- अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
- धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
- कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
- अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
- जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
- सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
- एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

... तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है। मांसपेशियों में ऐंठन से राहत सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया के 200 विमान यात्री 2 घंटे तक बगैर एसी के तड़पते रहे, अखबार से करते रहे हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से सिंगापुर जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई 2380 में बैठे करीब दो सौ यात्रियों के दो घंटे भारी पड़ गए। विमान में न एसी चल रहा था और न ही बिजली थी। यात्री केवल अखबार से हवा करते रहे और बेचैन होते रहे। जब बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर में तकनीकी खराबी के चलते 200 से ज्यादा यात्रियों को करीब दो घंटे तक विमान में बैठे रहने के बाद उतार दिया गया। रात 11 बजे उड़ान भरने वाली इस फ्लाइट में न तो एयर कंडीशनिंग सिस्टम काम कर रहा था और न ही बिजली की सप्लाई ठीक थी। हैरानी की बात ये रही कि क्रू मेंबर्स ने यात्रियों को इस अचानक लिए गए फैसले की कोई वजह नहीं बताई। एयर इंडिया की ओर से भी इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यात्रियों में नाराजगी साफ देखी गई, क्योंकि इतनी बड़ी असुविधा के बाद भी कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। विमान में बैठे यात्रियों को गर्मी से हाल बेहाल हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में यात्री अखबार और मैगजीन को पंखे की तरह इस्तेमाल करते नजर आए। एक यात्री, जो पीटीआई के पत्रकार भी थे, ने बताया कि दो घंटे तक विमान में बिना किसी ठोस जानकारी के इंतजार करवाया गया। आखिरकार, सभी यात्रियों को विमान से उतारकर टर्मिनल भेज दिया गया। यह घटना एक बार फिर विमानन सेवाओं में तकनीकी खामियों और यात्रियों की सुविधा को लेकर सवाल खड़े करती है। सोशल मीडिया पर यात्रियों ने अपनी भड़ास निकाली और एयर इंडिया से जवाब मांगा। अब देखना ये है कि एयर इंडिया इस मामले पर क्या रुख अपनाती है और यात्रियों को इस असुविधा का कोई मुआवजा मिलेगा या नहीं।

कैलाश मानसरोवर से दर्शन कर लौट रहे अयोध्या के 8 श्रद्धालु नेपाल में फंसे

अयोध्या (एजेंसी)। कैलाश मानसरोवर से दर्शन कर लौटते समय नेपाल-चीन सीमा पर स्थित हिल्सा बॉर्डर (नेपाल) में अयोध्या के आठ श्रद्धालु फंसे हुए हैं। नेपाल में जारी तनाव के कारण वे भारत लौटने में असमर्थ हैं। इस स्थिति को देखकर गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। विधायक सिंह ने अपने पत्र में भारत सरकार से अपील की है कि नेपाल में फंसे श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से भारत लाने के लिए जरुर कदम उठाए। उन्होंने संबंधित मंत्रालयों और अधिकारियों को निर्देशित करने की भी मांग की है। वहीं, दूसरी ओर समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद ने भी मुद्दे को गंभीरता से लेकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। सांसद प्रसाद ने भरोसा दिलाया कि वे खुद गृह मंत्रालय से बातचीत कर श्रद्धालुओं की सुरक्षित वापसी के प्रयास करुंगा। गोसाईगंज निवासी कुछ लोग नेपाल बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। इन सभी का परिवार बेहद चिंतित है। उन्होंने कहा हमारी एक ही आस है कि सरकार जल्द से जल्द उन्हें भारत वापस लाए। कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटते समय अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर खराब मौसम और परिवहन संबंधी समस्याएं यात्रियों के फंसे रहने का प्रमुख कारण बन रही हैं।

झारखंड में जर्जर मकान गिरने से दो बच्चों समेत तीन की मौत

रांची (एजेंसी)। झारखंड के धनबाद जिले में बुधवार शाम भारी बारिश के बाद एक जर्जर मकान गिर गया जिसमें दबने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। घटना लोदना पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले बीसीसीएल के एक क्वार्टर में हुई। मकान ढहने के बाद कम से कम सात लोग मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों और एक खुदाई मशीन की मदद से सभी को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि सात लोगों को अस्पताल लाया गया था। उनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया गया और चार अन्य का इलाज जारी है।

पटना में राजद कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक कार्यकर्ता, राज कुमार राय उर्फ अला राय, की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना राजेंद्र नगर टर्मिनल के पास गली नंबर 17 में रात करीब 10 बजे हुई। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद घायल अला राय को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से छह खाली कारतूस बरामद किए हैं, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वारदात में दो से ज्यादा लोग शामिल थे। इस हत्या के पीछे का सही कारण अभी तक साफ नहीं हो सका है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि अला राय राजनीति में सक्रिय थे और ज़मीन से जुड़े कारोबार में भी शामिल थे। पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जाँच कर रही है और आरोपियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद ने घटना को चौंकाने वाला बताकर बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए नीतीश कुमार की सरकार पर निशाना साधा। फिलहाल, पुलिस मृतक के ड्राइवर से भी पूछताछ कर रही है ताकि कोई सुराग मिल सके।

सीमा पार कर भारत आई बांग्लादेशी युवती और उसके पति गिरफ्तार

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के धौलपुर में एक बांग्लादेशी युवती और उसके भारतीय पति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवती, जिसका नाम जन्नत खानम उर्फ स्नेहा जारविन है, अपने फेसबुक प्रेमी कबीर खान से मिलने के बाद अवैध रूप से भारत में रह रही थी। जन्नत खानम, जो बांग्लादेश निवासी है, कि साल 2023 में फेसबुक के माध्यम से धौलपुर के कबीर खान से दोस्ती हुई थी। यह दोस्ती जल्द ही प्यार में बदल गई। दिसंबर 2024 में, जन्नत एक अन्य महिला, तानिया, के साथ अवैध रूप से सीमा पार कर भारत आई। तानिया जन्नत को कोलकाता ले गई, जहाँ उसने जन्नत का आधार कार्ड बनवाया। इसके बाद, जन्नत मुंबई और फिर इंदौर गई, जहाँ से कबीर जन्नत को अपने साथ ले आया।

टीएमसी का दावा- उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा ने 20 करोड़ में खरीदा एक सांसद

कोलकाता (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति के पद पर चुने गए एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने अभी अपने पद की शपथ भी नहीं ली कि विपक्षी दल टीएमसी ने सवाल उठाना शुरु कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने दावा किया कि भाजपा ने वोट खरीदने के लिए प्रति सांसद 15 से 20 करोड़ रुपये खर्च किए।

लोकसभा में टीएमसी संसदीय दल का नेतृत्व करने वाले अभिषेक ने भाजपा पर लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए धनबल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेता मंगलवार को हुए चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने के लिए पैसों की बोरियां लेकर आए थे।

दिल्ली से लौटने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में अभिषेक ने कहा, कुछ लोगों से बात करने के बाद मैं कह सकता हूं कि भाजपा ने वोट खरीदने के लिए प्रत्येक व्यक्ति पर 15-20 करोड़ रुपये खर्च किए। जनप्रतिनिधि के रूप में चुने गए सदस्य लोगों के विश्वास और भावनाओं को बेच रहे हैं। प्रतिनिधियों को खरीदा जा सकता है, लेकिन लोगों को नहीं। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के सभी 41 सांसदों (28 लोकसभा सदस्य और 13 राज्यसभा सदस्य) ने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के पक्ष में मतदान किया। अभिषेक ने कहा, सुदीप बंद्योपाध्याय और सौगत रॉय अस्वस्थ होने के बावजूद आए तथा मतदान किया। उन्होंने सवाल किया कि राजग के आंकड़े अनुमान से अधिक कैसे हो गए, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया के आंकड़े कम रह गए, जबकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पहले दावा किया था कि 315 सांसदों ने रेड्डी को समर्थन देने का वादा किया था।

अभिषेक ने कहा, 2021 के बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा ने राज्य में बड़े पैमाने पर नकदी लाने की कोशिश की और असफल रहे। 2024 में उन्होंने मतदान कर्मियों को खरीदने की कोशिश की, कुछ को 5,000 रुपये और अन्य को 10,000 रुपये का भुगतान किया। लेकिन बंगाल के लोगों ने उन्हें दिखा दिया कि नेताओं को खरीदा जा सकता है, लोगों को नहीं। यही कहानी उन्होंने महाराष्ट्र और झारखंड में भी दोहराई, जहां विधायकों की खरीद-फरोख्त के बाद सरकारें गिर गईं। अभिषेक ने विपक्षी खेमे में विश्वासघात की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया, चूंकि, गुप्त मतदान था, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि क्या क्रॉस वोटिंग' हुई या विपक्षी सदस्यों के वोट खारिज कर दिए गए। अगर मैं 'क्रॉस वोटिंग' को स्वीकार भी कर लूं, तो आम आदमी पार्टी (आप) जैसी कुछ पार्टियां हैं, जिसकी एक महिला सांसद खुलेआम भाजपा का समर्थन करती है और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बोलती हैं। ऐसे दो-चार सांसद हैं। उन्होंने पिछले कुछ मामलों से तुलना करते हुए भाजपा पर बार-बार धन का

दुरुपयोग कर पलड़ा अपने पक्ष में झुकाने का आरोप लगाया। भाजपा ने तृणमूल नेता के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव के नतीजे विपक्षी एकता की कमी को दर्शाते हैं। भट्टाचार्य ने कहा, मैं उनकी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देकर उन्हें तवज्जो नहीं देना चाहता। लेकिन इस उपराष्ट्रपति चुनाव ने स्पष्ट रूप से दिखा दिया है कि राजग एकजुट है, जबकि विपक्ष बंटा हुआ है।

राहुल गांधी के विदेश दौरे पर सीआरपीएफ ने उठाया सवाल... वे सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहे

-पत्र की एक प्रति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के अनशेड्यूल्ड विदेश दौरों पर आपत्ति जाहिर की है। सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने के मामले में उन्हें पत्र लिखा गया है। यह पत्र सीआरपीएफ के वीवीआईपी सुरक्षा प्रमुख ने जारी किया है। इस पत्र की एक प्रति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी भेजी गई है। पत्र 10 सितंबर को जारी किया गया। इसमें कहा गया है कि राहुल गांधी लगातार उन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं, जो उनकी सुरक्षा टीम ने निर्धारित किए हैं। वीवीआईपी सुरक्षा प्रमुख ने राहुल गांधी के सुरक्षा के प्रति रवैये पर भी सवाल उठाकर कहा कि वह इस सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। राहुल गांधी को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है, जिसमें एएसएल (सुरक्षा घेरा एडवांस सिक्योरिटी लाइजन) कवर शामिल है। यह देश की सबसे ऊंची सुरक्षा श्रेणियों में से एक है, जिसमें बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवान हर वक्त सुरक्षा में तैनात रहते हैं। बता दें कि बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' संपन्न करने के बाद राहुल गांधी अचानक विदेश यात्रा पर चले गए। ट्विटर पर उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हो रही थीं। हालांकि वह उपराष्ट्रपति चुनाव में शामिल होने के लिए भारत वापस आ गए और पार्टी के कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं।

बिहार, जम्मू-कश्मीर में उप चुनाव और राज्यसभा की रिक्त 4 सीटों पर एक साथ होगा चुनाव!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव की चर्चा पूरे देश में है।अगले महीने के अंत तक ऐलान की संभावना है। यही नहीं चुनाव आयोग से सूत्रों का कहना है कि इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर की दो विधानसभा सीटों के उपचुनाव भी घोषित किए जा सकते हैं। केंद्र शासित प्रदेश में बीते साल ही चुनाव हुए थे, लेकिन सीएम उमर अब्दुल्ला दो सीटों से मैदान में उतरे थे। वह दोनों सीटों से जीत गए थे और गांदरबल से ही विधायक बने रहने का फैसला लिया, जबकि बडगाम सीट छोड़ दी थी। तब से ही गांदरबल की सीट खाली है। इसके अलावा नगरोटा विधानसभा के विधायक देवेंदर सिंह राणा का निधन हो गया था, जिसके चलते यह सीट भी खाली है।ऐसे में करीब एक साल बाद इन दोनों सीटों पर आयोग चुनाव कराने की तैयारी में है।

जनप्रतिनिधित्व कानून के सेक्शन 151ए के तहत किसी सीट के खाली होने पर 6 महीने के अंदर चुनाव होने चाहिए। यदि ऐसा ना हो पाए तो केंद्र सरकार की सलाह पर इसे अतिरिक्त 6 महीने के लिए टाला जा सकता है। इसके लिए कारण भी बताना होता है कि इन चुनावों को क्यों टाला जा रहा है। पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ ही यहां मतदान कराने की

तैयारी थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। फिर पहलगाम आतंकी हमले के चलते ये टलते रहे और अब बिहार इलेक्शन के साथ ही यहां भी वोटिंग कराने का प्लान है।इसके अलावा जल्दी ही राज्यसभा की 4 सीटों पर भी चुनाव कराए जा सकते हैं। ये चुनाव भी लंबे समय से अटके हुए हैं। इन सीटों का प्रतिनिधित्व करने वाले 4 सांसदों का कार्यकाल फरवरी 2021 में ही समाप्त हो गया था, लेकिन अब तक चुनाव का इंतजार है। इन सांसदों में कांग्रेस के सीनियर नेता गुलाम नबी आजाद भी शामिल थे। फिलहाल वह किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं और कांग्रेस से भी उन्होंने दूरी बना ली है। ऐसे में देखना होगा कि राज्यसभा सीटों के चुनाव में किसकी ओर से किसे उतारा जाता है।

भारत-नेपाल सीमा पर घुसपैठ रोकने एसएसबी के 60 हजार जवान तैनात; जेल तोड़कर भागे 60 कैदी पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भड़की हिंसा और अराजकता का असर अब भारत-नेपाल सीमा पर साफ देखने को मिल रहा है। घुसपैठियों से सीमा की सुरक्षा को लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाते हुए सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 50 बटालियन यानी करीब 60 हजार जवानों को उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और सिक्किम से लगती सीमा पर मुस्तैद कर दिया है। इनका मकसद किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और नेपाल से जेल तोड़कर भागे कैदियों की घुसपैठ को रोकना भारत आने वाले खासतौर पर भारतीय नागरिकों को हर संभव मदद देना है।

नेपाल में हालात इतने बिगड़े हैं कि 24 जेलों को तोड़कर 15 हजार से ज्यादा कैदी फरार हो चुके हैं। इनमें से कई कैदी भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने अब तक

ऐसे 60 कैदियों को गिरफ्तार किया है। इनमें कुछ भारतीय कैदी भी शामिल हैं। एसएसबी अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए कैदियों को स्थानीय पुलिस को सौंपा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। सूत्रों का कहना है कि नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों ने भारत को अलर्ट किया है कि जेल से भागे अपराधियों में से कई भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर सकते हैं। नेपाल ने यह भी अनुरोध किया है कि यदि ऐसे किसी कैदी को पकड़ा जाए तो उसे वापस नेपाल की जेलों में भेजने की प्रक्रिया अपनाई जाए।

इसी बीच, नेपाल से बड़ी संख्या में लोग भारत का रुख कर रहे हैं। अब तक करीब 500 लोग, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं, नेपाल से भारत आ चुके हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद ही उन्हें सीमा पार करने दिया जा रहा है। वहीं, नेपाली नागरिकों का कहना है कि वे फिलहाल अपने देश की हिंसा और अस्थिरता के कारण वापस नहीं जाना चाहते। हालांकि, एसएसबी ने साफ किया है कि भारत-नेपाल सीमा को बंद नहीं किया गया है। पैदल और वैध मार्गों से लोगों को दस्तावेज जांचकर प्रवेश दिया जा रहा है। हां, ट्रकों और वाणिज्यिक परिवहन पर रोक लगी हुई है। सीमा पर गश्त और फ्लैग मार्च तेज कर दिया गया है। एसएसबी और नेपाल की आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) के बीच समन्वय पहले की तरह ही जारी है। नेपाल की आंतरिक अस्थिरता ने न केवल पड़ोसी देश की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी है, बल्कि भारत की सीमाई सुरक्षा के लिए भी नए खतरे पैदा कर दिए हैं।

भारत सरकार की सलाह : रूसी सेना में भर्ती के झांसे में ना आएं युवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी सेना में भर्ती कर भारतीयों को यूक्रेन से जंग में इस्तेमाल करने की खबरें आ रही थीं। अब इसी को लेकर सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऐसे ऑफरों से दूरी बनाएं। इसके अलावा रूस से अपील की है कि वह उन भारतीयों को वापस भेजे, जो किसी भी तरह से झांसे में आकर उसकी सेना में शामिल हो गए हैं। सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी झांसे में ना आएं। विदेश मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा है कि ऐसे किसी भी ऑफर को स्वीकार न करें क्योंकि यह खतरे से भरा रास्ता है। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन वर्ष से भी अधिक समय से यूक्रेन के साथ जंग में उतरी रूस की सेना में समय-समय पर भारतीय नागरिकों की भर्ती की जाती रही है। रूस की सेना में भर्ती होने वाले भारतीयों के परिवारों का कहना है कि सेना में भर्ती के बाद उन्हें वापस नहीं आने दिया जाता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती से संबंधित मीडिया के सवालों के जवाब में गुरुवार को कहा कि भारतीय नागरिकों को इस तरह के प्रस्ताव से दूर रहना चाहिए क्योंकि इसमें खतरे हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस तरह की कार्रवाई में निहित जोखिमों और खतरों के बारे में बताया है और लोगों को आगाह किया है कि वे इससे दूर रहें। इसके आगे उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली और मॉस्को दोनों में रूसी अधिकारियों के साथ भी मामला उठाया है। हमने रूस से अनुरोध किया है कि इस प्रैक्टिस को समाप्त किया जाए और हमारे नागरिकों को वापस किया जाए। हम प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिवारों के साथ भी संपर्क में हैं। हम एक बार फिर सभी भारतीय नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी ऑफर से दूर रहें क्योंकि यह खतरे से भरा रास्ता है। उन्होंने कहा कि हम एक बार फिर सभी भारतीय नागरिकों से रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रस्ताव से दूर रहने का आग्रह करते हैं क्योंकि यह ख़तरों से भरा है। उन्होंने कहा कि हम एक बार फिर सभी भारतीय नागरिकों से रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रस्ताव से दूर रहने का आग्रह करते हैं क्योंकि यह खतरों से भरा है।

राहुल और तेजस्वी चाहे जितना भी गाली दें, बिहार की जनता गुमराह नहीं होगी: गोयल

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे पूरी तरह से विफल हो चुके हैं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी या राजद नेता तेजस्वी चाहे जितना भी बोलें या गाली दें, बिहार की जनता गुमराह नहीं होगी। पटना में गोयल ने कहा कि विपक्ष हमें हराने का बहाना ढूंढ रहा है। मैं राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी की मां को गाली देने की कड़ी निंदा करता हूं।

यह विवाद एक वायरल वीडियो के बाद शुरू हुआ, जिसमें राहुल गांधी की यात्रा में एक व्यक्ति ने पीएम की मां को गाली दी थी। दरभंगा पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। गोयल ने आगे कहा कि नीतीश कुमार और पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूरे विश्वास के साथ बिहार की सेवा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एनडीए बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

गोयल ने नए जीएसटी सुधारों की भी सराहना करते हुए कहा कि जैसे-जैसे चीज़ें सस्ती होंगी, मांग बढ़ेगी और इससे व्यापार जगत को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में केंद्र सरकार ने जीएसटी में बड़ा बदलाव करके

रोज़मर्रा की वस्तु को सस्ता करने का काम किया है। टूथपेस्ट, तेल, कपड़े, घड़ियां, जूते और स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्टेशनरी, सब सस्ते हो गए हैं...कई चीज़ें 0 फीसदी जीएसटी पर उपलब्ध हैं।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बीमा सुविधाओं में जीएसटी स्लैब हैं। उन्होंने कहा आज घरों में रेफ्रिजरेटर, टीवी और एसी जैसी सभी चीज़ें सस्ती करके इन लोगों के जीवन में एक नया उत्साह, अच्छी चीज़ों के लिए उत्साह लाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी स्लैब के कारण लोगों के पास रोज़गार के अधिक अवसर होंगे, क्योंकि सस्ते उत्पादों की उपलब्धता से उनकी मांग बढ़ेगी, जिससे उद्योग का विस्तार होगा।

बच्ची से दुष्कर्म व हत्या के आरोपी को मौत की सजा दिए जाने पर बोला सुप्रीम कोर्ट...

मौत की सजा सुनाने से पहले अदालतें बहुत सावधानी बरतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2014 में उत्तराखंड में 7 साल की बच्ची के दुष्कर्म और हत्या मामले में मौत की सजा पाए दोषी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मौत की सजा सुनाने से पहले अदालतों को बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। इस मामले को लिटिल निर्भया कहा गया था और इससे पूरे उत्तराखंड में गुस्सा था। जस्टिस विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की पीठ ने ट्रायल कोर्ट और उत्तराखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें उसे व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए उसे मौत की सजा सुनाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच में कई कमियां थीं और अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा। यह मामला पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी-अपीलकर्ताओं के अपराध को साबित करने के लिए परिस्थितियों की पूरी और अटूट श्रृंखला स्थापित करने में

विफल रहा है। जस्टिस मेहता ने फैसला सुनाते हुए अदालतों से मौत की सजा सुनाते समय सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि कैपिटल पनिशमेंट की प्रकृति ऐसी है कि इसे केवल रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामलों में ही लगाया जाना चाहिए। अभियोजन पक्ष के मामले में थोड़ी सी भी शंका या कमजोरी होने पर ऐसी सजा नहीं दी जानी चाहिए।

इस मामले में अभियोजन पक्ष ने कहा था कि बच्ची 29 अप्रैल, 2014 को लापता हो गई थी। उसका शव अगले दिन मिला था। पुलिस ने दावा किया था कि आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और फिर उसकी हत्या कर दी। ट्रायल कोर्ट ने 2016 में आरोपी को दोषी ठहराया और उसे मौत की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने भी 2018 में ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

मोदी सरकार के मंत्रियों के पास क्रिप्टो करेंसी, किसी के पास दशकों पुराने दोपहिया वाहन और रिवॉल्वर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के कई मंत्रियों ने वर्ष 2024-25 की अपनी संपत्तियों की जानकारी साझा की है। इसमें किसी के पास क्रिप्टोकरेंसी, किसी के पास दशकों पुराने दोपहिया वाहन हैं। जयंत चौधरी एकमात्र मोदी सरकार में मंत्री है, जिन्होंने क्रिप्टो में निवेश किया है।

पीएमओ की वेबसाइट पर प्रकाशित जानकारी के अनुसार, केंद्रीय कौशल विकास राज्य मंत्री और राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने 31 मार्च, 2025 तक 21.31 लाख रुपये मूल्य के क्रिप्टो निवेश की सूचना दी। उनकी पत्नी चारु सिंह ने 22.41 लाख रुपये मूल्य की डिजिटल एसेट होल्डिंग्स की जानकारी दी है।

चौधरी एकमात्र मंत्री हैं, जिन्होंने क्रिप्टो को डिजिटल परिसंपत्तियों में शामिल घोषित किया है। हालांकि जमीन, शेयर या जमा जैसे पारंपरिक निवेश कड़े नियमों के तहत संचालित होते हैं, भारत में क्रिप्टोकरेंसी अभी भी नियामकीय अनिश्चितताओं से जूझ रही है। आरबीआइ ने निवेशकों को वर्चुअल करेंसी के जोखिमों के बारे में बार-बार चेतावनी दी है। वहीं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने अपनी संपत्ति में 37 साल पुराना स्कूटर और एक रिवॉल्वर शामिल होने की घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक दोपहिया वाहन के अलावा 27 लाख रुपये से अधिक के आभूषण और 19 लाख से अधिक के म्यूचुअल फंड निवेश की भी घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने 1.2 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 1,679 ग्राम सोने के आभूषण, 10 किलोग्राम चांदी के आभूषण और हीरे के आभूषण सहित अन्य संपत्ति घोषित की है।

सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने 74 लाख रुपये से अधिक मूल्य के स्वर्ण आभूषण और एक स्कूटी सहित अन्य संपत्ति घोषित की है। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपनी संपत्ति में 1997 माडल की मारुति एस्टीम कार और एक पिस्तौल शामिल होने की जानकारी दी है। रिवहन मंत्री नितिन गडकरी की संपत्ति में 31 साल पुरानी एक एम्बेसडर कार के अलावा दो अन्य कारें शामिल हैं। उन्होंने 37 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के सोने के आभूषण भी घोषित किए हैं, जबकि उनकी पत्नी कंचन नितिन अधिकारी ने 28 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के सोने के आभूषण घोषित किए हैं। अन्नपूर्णा देवी

और सावित्री ठाकुर के पास असलहें मोदी सरकार की दो महिला मंत्रियों के पास असलहें भी हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अन्य संपत्तियों के अलावा एक रिवाल्वर, एक राइफल, एक ट्रैक्टर और लगभग एक करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश की जानकारी दी हैं। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने 67 लाख रुपये से अधिक मूल्य के स्वर्ण आभूषणों के अलावा एक डबल बैरल बंदूक और एक रिवाल्वर घोषित की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी कांगो में इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोहियों ने 60 लोगों का कत्ल किया

लुबेरो , एजेंसी। पूर्वी कांगो में मंगलवार रात को इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोही समूह एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स (ष्ठस्न) ने हमला किया, जिसमें कम से कम 60 लोगों की मौत हो गई। यह हमला उस समय हुआ जब लोग एक अंतिम संस्कार में इकट्ठा हुए थे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने मीडिया को बताया, लगभग 10 हमलावर थे। उनके पास माचेट (बड़ा चाकू) थे। उन्होंने लोगों को एक जगह इकट्ठा होने को कहा और फिर उन्हें मारना शुरू कर दिया। मैंने लोगों को चीखते सुना और बेहोश हो गई। लुबेरो क्षेत्र के प्रशासक कर्नल एलन किवेवा ने बताया कि मरने वालों की संख्या 60 के आसपास है, लेकिन अंतिम आंकड़ा अभी साफ नहीं है। उन्होंने कहा, हमने क्षेत्र में सेवाएं भेजी हैं ताकि लोगों की गिनती की जा सके। मंगलवार को ही बेनी क्षेत्र में एडीएफ ने एक और हमला किया था, जिसमें 18 लोग मारे गए थे। कांगो-युगांडा सीमा पर सक्रिय एडीएफ ने 2019 में इस्लामिक स्टेट के प्रति निष्ठा जताई थी। कांगो और युगांडा की कार्रवाइयों के बावजूद यह समूह नागरिकों पर हमले कर रहा है। जुलाई में इतुरी प्रांत में एडीएफ ने दो बड़े हमले किए थे, जिनमें 34 और 66 लोग मारे गए थे। क्षेत्र में कई समूह सक्रिय हैं, जिनमें रवांडा समर्थित एम23 विद्रोही और कांगो सरकार के बीच बड़ा संघर्ष शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार आयुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा कि सुरक्षा की कमी का फायदा उठाकर एडीएफ हमले कर रहा है। स्थानीय लोग डर और अनिश्चितता में जी रहे हैं, और स्थिति लगातार बिगड़ रही है।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा- रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने को तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को यूरोपीय देशों के साथ बातचीत में रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने को तैयार है। बेसेंट ने कहा कि रूस पर प्रतिबंध तभी सफल होगा, जब यूरोपीय देश अमेरिका का साथ देंगे। बेसेंट ने यूरोपीय देशों के दूत को राष्ट्रपति ट्रम्प की रणनीति के बार में बताया।

जापान में नए पीएम का चुनाव 4 अक्तूबर को

टोक्यो, एजेंसी। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) चार अक्तूबर को निवर्तमान प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा की जगह नए नेता का चुनाव करेगी। यह चुनाव एक सरलीकृत मतदान प्रक्रिया के बजाय औपचारिक प्रतियोगिता के बाद होगा। एलडीपी के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि वित्त विशेषज्ञ व दक्षिणपंथी साने ताकाइची ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है। दूसरी तरफ, कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने भी ताल ठोंकी है। वह पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के पुत्र हैं। इनके अलावा तीन और प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन औपचारिक रूप से दावेदारी फिलहाल किसी ने भी नहीं पेश की है। प्रतियोगिता के पहले दौर में डाइट में प्रत्येक एलडीपी सांसद एक वोट डालता है और पार्टी के सभी सदस्यों की पसंद को डाइट सदस्यों के वोटों के बराबर अनुपात में विभाजित किया जाता है ताकि परिणाम पार्टी सदस्यों के व्यापक विचारों को प्रतिबिंबित करे। ताकाइची और कोइजुमी सितंबर 2024 में नेतृत्व की दौड़ में भाग ले चुके हैं और क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे थे। इसमें इशिबा ने जीत हासिल की थी। सरकार के शीर्ष प्रवक्ता के एक करीबी सूत्र के अनुसार, अन्य संभावित उम्मीदवारों में पूर्व विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी और मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी भी शामिल हैं।

बांग्लादेश ने भारत को 1,200 टन हिल्सा के निर्यात की दी अनुमति

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने दुर्गा पूजा से पहले भारत को 1,200 टन हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति देने का फैसला किया है। बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार देर रात एक अधिसूचना में कहा, सरकार ने चालू वर्ष में भारत को 1,200 मीट्रिक टन हिल्सा सशर्त निर्यात करने का नीतिगत निर्णय लिया है। इच्छुक निर्यातकों से 11 सितंबर शाम 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। सरकार ने प्रति किलोग्राम हिल्सा का न्यूनतम निर्यात मूल्य 12.50 अमेरिकी डॉलर निर्धारित किया है।

भारतवंशी तेजस्वी को टाइम मैग्जीन का किड ऑफ द ईयर अवार्ड

टेक्सास, एजेंसी। भारतवंशी तेजस्वी मनोज को टाइम मैग्जीन के किड ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए चुना गया गया है। 17 वर्षीय तेजस्वी वृद्धों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने और उसकी रिपोर्ट करने में मदद करने का काम करती हैं। टेक्सास के फ्रिस्को की तेजस्वी को उनके नवाचार शील्ड सीनियर्स के लिए प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। टाइम ने कहा, बुजुर्ग अमेरिकियों को सुरक्षा की जरूरत है।

भूकंप से उठी चिंगारी कैसे बन गई ज्वाला? नेपाल में जेन जेड के लीडर की अद्भुत कहानी

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल में जेन जेड आज भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, बेरोजगारी और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ सड़कों पर है। इस आंदोलन की जड़ें एक दशक पहले आई उस त्रासदी से जुड़ी हैं, जिसने हिमालयी राष्ट्र को हिलाकर रख दिया था। वह था 2015 का विनाशकारी भूकंप। इस भूकंप ने न केवल घरों और जिंदगियों को तोड़ा, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति को भी गढ़ा, जो आज जेन जेड के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक है- सुदन गुरुंग।

भूकंप ने बदली जिंदगी : रिपोर्ट के मुताबिक, 38 वर्षीय सुदन गुरुंग कभी थमेल के नाइटलाइफ और पार्टी सर्किट का जाना-माना चेहरा थे। वे थमेल की पार्टी सर्किट में डीजे सेट्स और क्लब आयोजनों से जुड़े थे लेकिन उनका जीवन 2015 के भूकंप के बाद पूरी तरह बदल गया। गुरुंग ने उस समय कहा था, मेरी बाहों में एक बच्चे ने दम तोड़ा। मैं उस पल को कभी नहीं भूल सकता। इसी असहायता से जन्म हुआ हामी नेपाल का। यह एक स्वयंसेवी संगठन है जो चावल की बोरियों के दान से शुरू हुआ और धीरे-धीरे संगठित रूप लेने लगा। एक दशक बाद, यही संगठन नेपाल के जेन जेड की पहचान बन चुका है।

पार्टी से समाज सेवा तक : भूकंप से पहले गुरुंग का जीवन क्लब, डीजे सेट और इवेंट्स के इर्द-गिर्द घूमता था। नेपाली रॉक सिंगर-सॉन्गराइटर और अभया एंड द स्टीम इंजन्स बैंड की फ्रंटवुमन अभया सुब्बा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, नाइटलाइफ में उनकी पृष्ठभूमि ने उन्हें लोगों की नब्ज पढ़ने की कला सिखाई थी। अब वे इस कौशल का उपयोग युवा स्वयंसेवकों को एकजुट करने में करते हैं। 25 अप्रैल 2015 को आए भूकंप के तुरंत बाद, गुरुंग ने सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाई। इसके जवाब में करीब 200 स्वयंसेवक जुट गए। उन्होंने गांवों में चावल पहुंचाया, स्कूलों में तंबू लगाए, और उधार की मोटरसाइकिलों पर घायलों को अस्पतालों तक ले गए। इस अस्थायी नेटवर्क ने हामी नेपाल (हम नेपाल हैं) का रूप लिया, जो 2020 तक 1,600 से अधिक सदस्यों वाला एक पंजीकृत एनजीओ बन चुका था।

अनुशासित और केंद्रित नेतृत्व : प्रसिद्ध नेत्र सर्जन और हामी नेपाल के मेंटर डॉ. संदूक रुइत कहते हैं, सूदन गुरुंग एक असामान्य रूप से अनुशासित ग्रासरूट लीडर हैं। उनकी ताकत बयानबाजी में नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स पर ध्यान देने में है, यही कारण है कि युवा उन पर भरोसा करते हैं। सोशल मीडिया बैन और जेन जेड का विद्रोह हाल के आंदोलनों ने हामी नेपाल की इस विरासत को एक राजनीतिक आंदोलन में बदल दिया। जब नेपाल सरकार ने 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाया, तो जेन जेड को लगा कि उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। गुरुंग ने स्कूल यूनिफॉर्म और किताबें हाथ में लेकर सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। प्रदर्शनकारियों ने एक अनोखा प्रतीक चुना- जापानी एनीमे वन पीस का स्ट्रॉ हैट जॉली रोजर झंडा उठाया। यह इस एनीमे के कैरेक्टर मंकी डी. लफी की पहचान है।

तुम्हें मुक्का मारूंगा: डिनर पार्टी में ट्रंप के अफसरों में तू-तू, मैं-मैं, क्यों भिड़े बेसेंट और पुल्टे ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासनिक अफसर आपस में ही भिड़ रहे हैं। ट्रंप की सलाहकार शाखा के दो अफसर हाल ही में एक डिनर पार्टी में उलझ गए। दोनों के बीच बात यहां तक बढ़ गई कि एक ने दूसरे को मुक्का मारने की धमकी दे डाली। बाद में पार्टी में मौजूद अन्य लोगों ने दोनों को समझाकर शांत कराया। इसे लेकर डिनर पार्टी और अमेरिकी राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा रही। वाकया तीन अगस्त 2025 का है। वॉशिंगटन डीसी के जॉर्जटाउन में एक क्लब में ट्रंप प्रशासन के अधिकारी पॉडकास्टर चमथ पालीहापितिया की बर्थडे पार्टी में पहुंचे थे। इस पार्टी में ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और आवास वित्त प्रमुख बिल पुल्टे भी थे। पार्टी के दौरान जैसे ही कॉकटेल शुरू हुआ तो बेसेंट ने पुल्टे के खिलाफ अपशब्द बोलने शुरू कर दिए। बेसेंट से किसी ने कहा कि पुल्टे ट्रंप के सामने उनके बारे में बुरा-भला कह रहे हैं।

बेसेंट ने पुल्टे से गुस्से में पूछा कि तुम राष्ट्रपति से मेरे बारे में क्यों बात कर रहे हो? मैं तुम्हारे चेहरे पर मुक्का मार दूंगा। दोनों अफसरों के बीच तू-तू, मैं-मैं होते देख क्लब के सह मालिक ओमीद मलिक पहुंच गए। बेसेंट ने चिल्लाकर मलिक से कहा कि पुल्टे को क्लब से बाहर निकालो। या तो मैं यहां रहूंगा या फिर ये रहेगा। मुझे बताओ कौन यहां से बाहर जा रहा है?

इस पर पुल्टे ने पूछा कि किसलिए बाहर जाना है? क्या बात करने के लिए? इस पर बेसेंट ने अपशब्द कहे और कहा कि नहीं। विवाद बढ़ता देख क्लब के सह मालिक मलिक ने दोनों को अलग किया और बेसेंट को क्लब के दूसरे हिस्से में ले गए। डिनर के दौरान भी दोनों को टेबल के अलग-अलग छोर पर बिठाया गया। इस वाकये को लेकर पार्टी में चर्चा का आलम रहा। पार्टी में परिवहन मंत्री सीन डफी, वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक, आंतरिक सचिव डग बर्गम, कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड, एसबीए प्रशासक केली लोफ्लर, मेडिकेड प्रमुख मेहमत ओज और उद्यमी डेविड सैक्स शामिल थे।

फ्रांस में 9 मस्जिदों के बाहर मिले सूअरों के सिर, 5 पर लिखा राष्ट्रपति का नाम

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच मंगलवार को राजधानी पेरिस और आसपास की नौ मस्जिदों के बाहर सूअरों के कटे सिर मिलने से वहां हड़कंप मच गया है। इनमें से पांच पर फ्रेंच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नाम लिखे हुए थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस घटना के पीछे किसका हाथ है लेकिन फ्रांसीसी अधिकारियों ने देश के मुस्लिम समुदाय को पूरी सुरक्षा देने का आश्वासन दिया है। फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है, जिसकी संख्या 60 लाख से ज़्यादा है। इस्लाम में सूअर का मांस खाना वर्जित है। हाल के दिनों में फ्रांस में मुस्लिम विरोधी माहौल तेजी से पसरा है।

इस घटना पर वहां के गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा, मैं चाहता हूँ कि हमारे मुस्लिम देशवासी शांति से अपने धर्म का पालन करें। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है और उन्हें विभाजित संसद में आम सहमति बनाने और 2026 का बजट पारित कराने का चुनौतीपूर्ण कार्य सौंपा है। दूसरी तरफ पेरिस पुलिस के प्रमुख लॉरेंट नुनेज़ ने कहा कि यह घटना फ्रांस को अस्थिर करने की विदेशी साजिश हो सकती है और इसमें विदेशी हस्तक्षेप की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि देश फिलहाल वित्तीय और राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा, हम पिछली कार्रवाइयों से तुलना करने से नहीं बच सकते, जो अक्सर रात में होती थीं और विदेशी हस्तक्षेप साबित हुई थीं। हालांकि उन्होंने किसी देश का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया लेकिन उनका इशारा रूस की तरफ था, जो पहले भी फ्रांस में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर चुका है। मई में यहूदी प्रार्थना स्थलों और एक नरसंहार स्मारक को हरे रंग से रंगने के बाद, विदेशी शक्ति से संबंध रखने के आरोप में तीन सर्बियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने कहा कि पेरिस की मस्जिदों के बाहर चार और राजधानी के बाहरी इलाके की मस्जिदों में सूअरों के पाँच सिर मिले हैं।

इजराइल का कतर की राजधानी दोहा पर हमला: हमास लीडर बाल-बाल बचे, 6 अन्य की मौत

दोहा, एजेंसी। कतर की राजधानी दोहा में मंगलवार को कई जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इजराइली सेना ने ऐलान किया कि उसने हमास के सीनियर नेताओं को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। ये हमला हमास चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में अल-हय्या बच गया, जबकि 6 अन्य लोगों की मौत हो गई। इस बीच इजराइली पीएम नेतन्याहू ने भी कहा कि इजराइल इस हमले की 'पूरी जिम्मेदारी' लेता है। जब यह हमला तब हुआ जब हमास नेता अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव पर आपस में चर्चा कर रहे थे। इजराइली सेना और सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि यह हमला बेहद सटीक तरीके से उन हमास नेताओं पर किया गया, जो संगठन की गतिविधियों को लंबे समय से चला रहे थे। एसोसिएटेड प्रेस से बात करते हुए एक इजराइली अधिकारी ने पुष्टि की कि यह हमला कतर की राजधानी दोहा में हुआ। सेना के मुताबिक ये हमास लीडर 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार थे।

कतर में हमास नेताओं का ठिकाना : यह हमला ऐसे समय हुआ है जब इजराइली सेना के जनरल स्टाफ प्रमुख इयाल जमीर ने हाल ही में कहा था कि विदेशों में मौजूद हमास नेताओं को भी निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने 31 अगस्त को कहा था कि हमास का अधिकांश नेतृत्व विदेश में है, और हम उन तक भी पहुंचेंगे। कतर लंबे समय से हमास के निर्वासित नेताओं का ठिकाना रहा है और वह इजराइल और फिलिस्तीन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाता रहा है। गाजा पर युद्धविराम और 7 अक्टूबर को हमास के बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई को लेकर जो बातचीत चल रही थी, यह हमला उसे और जटिल बना सकता है।

कतर ने इजराइली हमले की आलोचना की : हमले के बाद कतर ने इजराइल की कड़ी आलोचना की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने इसे हमास के राजनीतिक मुख्यालय पर कायराना हमला करार दिया और कहा कि यह सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों का उल्लंघन है। दूसरी ओर, इजराइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने इस कार्रवाई की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को दुनिया में कहीं भी इजराइल से छूट नहीं मिलेगी। एक्स पर लिखते हुए उन्होंने ढ्ढष्ठस्न और शिन बेट के सही फैसले और सटीक निशाने की सराहना की और कहा कि आतंकवादियों को इजराइल के लंबे हाथों से कभी भी कोई छूट नहीं मिलेगी।

बाहरी ताकतों का विरोध करें, अपनी राष्ट्रीय पहचान बनाएं, सिंगापुर के पूर्व पीएम की लोगों से अपील

सिंगापुर सिटी, एजेंसी। वैश्विक तनाव के बीच सिंगापुर के पूर्व पीएम ने अपने देश के लोगों से बड़ी अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग बाहरी ताकतों का विरोध करें और एक मजबूत राष्ट्रीय पहचान बनाए रखें। केंट रिज मिनिस्टीरियल फोरम में पूर्व पीएम ली सियन लूंग ने कहा कि सिंगापुर को शक्तिशाली बाहरी ताकतें बहुत अलग दिशाओं में खींच रही हैं।

वैश्वीकरण को या घरेलू दोषों को राष्ट्रीय पहचान की भावना के लिए बड़ी चुनौती मानने के सवाल पर ली ने कहा कि मुसलमान स्वाभाविक रूप से इस्राइल और हमास के बीच युद्ध को लेकर अधिक परेशान हैं। मगर

भारत या चीन में होने वाले घटनाक्रम का उन समुदायों पर अधिक प्रभाव पड़ेगा। हमारा काम इसका विरोध करना है और यह याद रखना है कि मैं मुस्लिम हूं या मैं चीनी हूं या मैं भारतीय हूं, लेकिन मैं सिंगापुरी भी हूं। यहां मेरा कुछ स्थान है। मैं यहां का निवासी हूं तथा मुझे यहीं से दुनिया को देखना चाहिए। सिंगापुर राष्ट्रीय विवि के छात्रों और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए सिंगापुर के तीसरे प्रधानमंत्री रहे ली ने कहा कि हर पीढ़ी को अपने संकटों से पार पाना होगा। इन्हीं चुनौतियों के माध्यम से सिंगापुर की राष्ट्रीय पहचान मजबूत होगी। सिंगापुर की पहचान पहले से अधिक मजबूत है और अब उसे महाशक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता और भू-राजनीतिक व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पहचान बहुस्तरीय है। हम एक लोग हैं, लेकिन... हम सभी एक जैसे नहीं हैं और कुछ खामियां हैं जिनसे हमें बचना है। केवल सिंगापुरी होना किसी व्यक्ति की पहचान का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा नहीं है। हम चीनी सिंगापुरी, मलय सिंगापुरी या भारतीय सिंगापुरी भी हैं। हम ईसाई, मुसलमान या बौद्ध भी हैं।

उन्होंने कहा कि आपके राजनीतिक विचार भी अलग-अलग हो सकते हैं। आप सरकार समर्थक हो सकते हैं, आप विपक्ष समर्थक भी हो सकते हैं। आपकी यौन प्रवृत्तियां अलग-अलग हो सकती हैं और इसलिए आपके मित्र मंडली और दुनिया के प्रति आपके नजरिए भी अलग-अलग हो सकते हैं। ये सब हमारी पहचान की अलग-अलग परतें हैं, जो हमेशा मौजूद रहती हैं।

चीन में टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों की बिक्री में आएगी गिरावट, शंघाई चैंबर के सर्वे में बड़ा खुलासा

बीजिंग, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ को लेकर शंघाई में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के सर्वे में बड़ा खुलासा हुआ है। सर्वे के बाद सामने आया है कि टैरिफ से चीन में काम कर रही कई अमेरिकी कंपनियों की बिक्री प्रभावित होगी। इसमें गिरावट आएगी। सर्वे में भाग लेने वाली 254 कंपनियों में से लगभग दो-तिहाई ने कहा कि नए टैरिफ ने 2025 में उनके चीन परिचालन के लिए अपेक्षित राजस्व को कम कर दिया है। वहीं लगभग एक-तिहाई कंपनियां जिनमें से कई बैंकिंग और अन्य उद्योगों में हैं जो अमेरिका से आयात या निर्यात नहीं करते हैं, उन्हें किसी भी प्रभाव की उम्मीद नहीं है।

शंघाई चैंबर के नेताओं ने कहा कि टैरिफ से उन कंपनियों पर असर पड़ेगा जो अमेरिका को निर्यात करती हैं और उन कंपनियों पर भी जो चीन में अपने उत्पादन के लिए अमेरिकी पार्ट्स या सामग्री आयात करती हैं। समूह के अध्यक्ष एरिक झेंग ने कहा कि टैरिफ का हमारे परिचालन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। दोनों पक्ष व्यापार वार्ता कर रहे हैं, लेकिन टैरिफ और अन्य मुद्दों पर उनकी दिशा स्पष्ट नहीं है। यह अनिश्चितता उन कंपनियों के लिए एक चुनौती है जिन्हें भविष्य के लिए योजनाएं बनाने की जरूरत है। 19 मई से 20 जून तक किए गए शंघाई चैंबर सर्वेक्षण में पाया गया कि टैरिफ से सबसे अधिक नुकसान निर्माताओं को हो रहा है। करीब तीन-चौथाई ने कहा कि आयात करों से 2025 तक उनके चीन राजस्व में कमी आएगी। उत्तरदाताओं ने अगले तीन से पांच वर्षों के लिए अमेरिका-चीन तनाव को अपनी सबसे बड़ी चुनौती बताया। झेंग ने द्विपक्षीय संबंधों में सुधार को हमारी पहली माँग बताया। अमेरिका ने लगाया 145 फीसदी टैक्स ट्रंप ने चीन से आयात पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। जबकि मई में दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध को कम करने पर सहमति बनने से पहले इसे एक समय 145 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया था। चीन ने भी अमेरिकी आयात पर 10 प्रतिशत कर लगाकर जवाब दिया है। वहीं अमेरिकी अदालतों ने फैसला सुनाया है कि ट्रंप के कई टैरिफ अमेरिकी आपातकालीन शक्ति कानून का अवैध उपयोग हैं, लेकिन आयात कर यथावत बने रहेंगे, क्योंकि उनका प्रशासन इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय में अपील कर रहा है।

लड़ाई का एक और मोर्चा खुलने का बढ़ा खतरा, पोलैंड का दावा- हवाई क्षेत्र में घुसे रूसी ड्रोन मार गिराए

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड की सेना ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने रूस के ड्रोन्स को मार गिराया है। पोलैंड का कहना है कि रूसी ड्रोन्स ने यूक्रेन पर हमले के दौरान उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। पोलैंड की सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज रूस द्वारा जब यूक्रेन पर हमला किया जा रहा था, तो उस दौरान रूसी ड्रोन्स जैसी चीजों ने बार-बार हमारे हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। इन वस्तुओं की पहचान कर उन्हें तबाह कर दिया गया।

पोलैंड की सेना ने जारी किया बयान : बयान में कहा गया है, पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सशस्त्र बलों के ऑपरेशनल कमांडर ने सभी जरूरी कदम उठाए हैं। पोलैंड के विमान और सहयोगी विमान हमारे हवाई क्षेत्र

में उड़ान भर रहे हैं, और जमीनी वायु रक्षा और रडार टोही प्रणालियां भी अलर्ट पर हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार है जब पोलैंड ने अपने हवाई क्षेत्र में किसी ड्रोन को निशाना बनाया है। यह घटना ऐसे समय घटी है, जब पोलैंड के राष्ट्रपति ने मंगलवार को ही अपने एक बयान में चेतावनी दी कि रूस, अन्य यूरोपीय देशों पर भी हमला कर सकता है।

एहतियातन कई हवाई अड्डे बंद किए गए अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन (फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन) के अनुसार, हमले के बाद, पोलैंड ने एहतियातन अपने वारसॉ स्थित अपने मुख्य चोपिन हवाई अड्डे सहित चार हवाई अड्डों को बंद कर दिया। पोलैंड के दक्षिण-पूर्व में स्थित रजेजो-जसियोंका हवाई अड्डे को भी बंद कर दिया गया है। बता दें कि रजेजो-जसियोंका हवाई अड्डा यूक्रेन के लिए यात्रियों और हथियारों के परिवहन का केंद्र है। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया था कि रूसी ड्रोन नाटो-सदस्य पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस आए हैं, लेकिन बाद में टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप से इस बयान को हटा दिया गया।

पोलैंड क्यों है अहम : पोलैंड भौगोलिक तौर पर पूर्वी यूरोपीय देश है, जिसकी सीमा बेलारूस और यूक्रेन से लगती हैं। पोलैंड यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य है और यूक्रेन, माल्दोवा आदि देशों को भी नाटो में शामिल करने का समर्थक है। यही वजह है कि अमेरिका और रूस दोनों महाशक्तियों की पोलैंड में रुचि होती है। रूस के यूक्रेन पर हमले का पोलैंड द्वारा विरोध किया जा रहा है और पोलैंड खुलकर यूक्रेन की मदद भी कर रहा है। हालांकि पोलैंड को डर है कि रूस, बेलारूस के साथ मिलकर उसकी संप्रभुता को नुकसान पहुंचा सकता है।

रूस और उसका सहयोगी बेलारूस जल्द ही बेलारूस में संयुक्त सैन्य अभ्यास करने वाले हैं, जिससे पोलैंड के साथ-साथ नाटो के अन्य सदस्य देश लातविया और लिथुआनिया भी बेचैन हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

50 गाड़ियों के काफिले के साथ 'सरदार सम्मान यात्रा' का शुभारंभ

12 दिनों में 1800 किमी की दूरी तय कर 355 गांवों में राष्ट्रीय एकता का संदेश फैलाएगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आजादी के अमृतकाल में राष्ट्रभक्ति और एकता के संदेश को और मजबूत बनाने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल की कर्मभूमि बारडोली से उनकी 150वीं जयंती से पूर्व 'सरदार सम्मान यात्रा-2025' का शुभारंभ हुआ है। 11 सितंबर को बारडोली के ऐतिहासिक स्वराज आश्रम से 50 गाड़ियों के काफिले के साथ इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह यात्रा अगले 12 दिनों में गुजरात के 18 जिलों, 62 तालुकाओं और 355 गांवों को कवर करते हुए 22 सितंबर को पवित्र सोमनाथ धाम पर समाप्त होगी।

'सरदार सम्मान यात्रा' के मुख्य संयोजक गोपालभाई वस्तरपारा (चमारडी) ने विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि च्इस यात्रा का स्वरूप 'कर्म से धर्म की यात्रा' है। इसका मुख्य उद्देश्य देश के लौहपुरुष और प्रथम उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और कृतित्व को श्रद्धांजलि देना है। सरदार साहब ने 562 रियासतों को एक करके अखंड भारत के निर्माण का जो अमूल्य कार्य किया, उससे प्रेरणा लेकर यह यात्रा समाज, संस्थाओं और वर्गों को एकजुट करने का प्रयास करेगी।ज्

यह यात्रा कुल 1800 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिसमें 18 जिले और 62 तालुकों के 355 गांव शामिल होंगे। इसके अलावा यह यात्रा लगभग 40 नदियों को भी कवर करेगी, जो सांस्कृतिक और भौगोलिक एकता का संदेश भी देगी। यात्रा के प्रस्थान के समय स्वराज आश्रम के प्रमुख भीखाभाई, सरदार साहब को करीब से देखने वाली निरंजनाबेन कलारथी के अलावा अमेरिका, लंदन, राजस्थान, हरियाणा और मध्यप्रदेश से आए प्रमुख लोग भी उपस्थित थे।

इस यात्रा का रूट भी घोषित किया गया है। पहले दिन यात्रा बारडोली से शुरू होकर सूरत के कतारगाम, वराछा होते हुए सूरत में रात्रि विश्राम करेगी। दूसरे दिन (12 सितंबर) सूरत से भरूच और करजन होते हुए वडोदरा पहुंचेगी। तीसरे दिन (13 सितंबर) वडोदरा से हालोल और गोधरा होते हुए आनंद और करमसद पहुंचेगी। इसके बाद आने वाले दिनों में यह यात्रा अहमदाबाद, गांधीनगर, मेहसाणा, सुरेंद्रनगर, राजकोट, गोंडल, शिहोर, भावनगर, पालीताना, दामनगर, अमरेली, सावरकुंडला, जूनागढ़, सासनगिर, तालाला, वेरावल होते हुए अंत में 22 सितंबर को सोमनाथ पहुंचेगी।

यह यात्रा जिन गांवों और शहरों में रात्रि विश्राम करेगी, वहां जनसभाओं का आयोजन होगा। इन सभाओं में सरदार पटेल के जीवन, आजादी की लड़ाई में उनके योगदान और राष्ट्र निर्माण के कार्यों के बारे में लोगों को बताया जाएगा। इस यात्रा का समापन 22 सितंबर को सोमनाथ में आयोजित सभा में होगा, जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित कई राजनीतिक और सामाजिक नेता मौजूद रहेंगे।

यह यात्रा केवल एक सफर नहीं है, बल्कि देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए सरदार पटेल द्वारा दिए गए बलिदान की याद दिलाने वाला एक सांस्कृतिक महायज्ञ है।

सूरत के लसकाणा में सिर कटा हुआ युवक का शव मिला,पुलिस ने जांच शुरू की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। लसकाणा इलाके के विपुलनगर में एक युवक का कटा हुआ सिर मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस जांच में सामने आया कि जिस स्थान से सिर मिला था, वहां से थोड़ी दूरी पर एक कमरे से धड़ भी बरामद किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, है, वह काफी समय से खाली पड़ा था, जबकि सिर कमरे से करीब 200 मीटर दूर बरामद हुआ है। उल्लेखनीय है कि यह घटना लसकाणा पुलिस स्टेशन से महज 400 मीटर की दूरी पर हुई है।

इस मामले में डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। इलाके में रहने वाले लोगों को बुलाकर मृतक की पहचान परेड की जा रही है। कमरा लंबे समय से खाली पड़ा था। कमरे के अंदर से शरीर का एक हिस्सा मिला है, जबकि

फिलहाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान की जांच कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, अब तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। इलाके में रहने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। जिस कमरे से धड़ मिला सिर करीब 200 मीटर दूर बरामद हुआ है।

फिलहाल इस मामले में क्राइम ब्रांच और लसकाणा पुलिस द्वारा गहन जांच की जा रही है। जिस जगह यह घटना हुई है, उसके पास ही डायमंड इंडस्ट्री पार्क स्थित है।

बलात्कार के आरोपी को 20 साल कैद, पीड़िता को 6 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अडाजण इलाके में वर्ष 2024 में नवरात्रि के दौरान 12 साल की बच्ची से कई बार जबरन बलात्कार करने वाले 22 वर्षीय आरोपी राहुल उर्फ पुलिस दीपक चौहान को सूरत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भावेश के. अवासिया ने पॉक्सो एक्ट समेत कई अपराधों में दोषी पाते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही, अदालत ने आरोपी को 1.75 लाख रुपये का जुर्माना और पीड़िता को 6 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। घटना क्या थी?

घटना नवंबर 2024 में नवरात्रि के चौथे दिन की है। अडाजण इलाके में रहने वाले आरोपी राहुल चौहान (उम्र 22) ने 12 साल 8 महीने की पीड़ित बच्ची को अपने घर बुलाया और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद, उसने किसी को बताने की धमकी देकर बच्ची के साथ एक से ज़्यादा बार बलात्कार किया। इस मामले में पीड़ित बच्ची की माँ ने 12 फ़रवरी 2025 को अडाजण पुलिस स्टेशन में आरोपी के ख़िलाफ़ शिकायत दर्ज कराई।

अडाजण पुलिस ने मामले की त्वरित सुनवाई के लिए आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत पेश किए थे।

सरकारी पक्ष की ओर से एपीपी दीपेश दवे ने 10 गवाह और 29 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए। जिनमें पीड़ित लड़की की गवाही, मेडिकल साक्ष्य और अन्य गवाहों की गवाही प्रमुख थी। बचाव पक्ष ने दलील दी कि इस अपराध में कोई चश्मदीद गवाह नहीं था और पीड़िता और आरोपी के बीच दोस्ताना संबंध थे। उन्होंने यह भी दलील दी कि चूंकि घटना के 20 दिन बाद शिकायत दर्ज की गई थी, इसलिए इसमें देरी हुई और एफएसएल रिपोर्ट में कपड़ों पर कोई दाग नहीं पाया गया।

हालाँकि, अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों पर गौर करने के बाद आरोपी को दोषी पाया। अदालत ने कहा कि पीड़िता सिर्फ़ 12 साल की थी और 22 साल के आरोपी ने यह जानते हुए भी उसके साथ बलात्कार किया।

चूँकि समाज में इस तरह के अपराध बढ़ रहे हैं, इसलिए मिसाल कायम करने के लिए आरोपी को कड़ी सज़ा देना ज़रूरी है।

रिश्वत मामले में फैसला

नवसारी में 5,000 की रिश्वत लेने वाले GMB के जूनियर क्लर्क को 3 साल की जेल, 10 हजार का जुर्माना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी की प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट और सेशंस कोर्ट ने रिश्वतखोरी मामले में अहम फैसला सुनाया है। गुजरात मैरीटाइम बोर्ड (GMB) के जूनियर क्लर्क दिनेश बाबू गविंत को तीन साल की कैद की सजा सुनाई गई है।

मामले के विवरण के अनुसार, 2010 में दिनेश गविंत ने एक मछुआरे से 5,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत लेते समय वह रंगेहाथ पकड़े गए थे। इस केस में प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज पी.जे. तमाकुवाला ने सरकारी वकील की दलीलों पर गौर किया था। अदालत ने आरोपी दिनेश गविंत को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोषी ठहराया है। जेल की सजा के अलावा अदालत ने 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इस फैसले से सरकारी कर्मचारियों में हलचल मच गई है।

देशभर में मशहूर नवसारी के अमलसाड़ी चीकू पर संकट

लगातार बारिश से फसल खराब होने की आशंका, किसानों को आर्थिक नुकसान का डर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी की मशहूर अमलसाड़ी चीकू की फसल इस साल संकट में पड़ गई है। लगातार बारिश के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। चीकू के बागों में पानी भर जाने से फसल को नुकसान पहुंचने की संभावना बढ़ गई है।

अमलसाड़ी चीकू अपनी मिठास और बड़े आकार के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध है। यह चीकू साल में दो सीज़न में होता है और बारहों महीने उपलब्ध रहता है। जून में फ्लावरिंग के बाद अक्टूबर में इसका उत्पादन होता है। इस साल देर से शुरू हुई बारिश ने जुलाई से सितंबर तक बारिश का माहौल बनाए रखा। चीकू की फसल को इस समय गर्मी की जरूरत है। कुछ क्षेत्रों में एक घंटे में दो से तीन इंच बारिश दर्ज की गई। लंबे समय तक पानी भरा रहने से पेड़ों में सूखा रोग लग सकता है। ज्यादा नमी के कारण फफूंदजन्य रोग का खतरा भी बढ़ गया है।

किसानों को चिंता है कि यदि यह स्थिति जारी रही तो चीकू का उत्पादन देर से होगा। फरवरी से अप्रैल के दौरान जब बड़े पैमाने पर उत्पादन होगा, तब बाजार भाव गिर सकता है। इससे किसानों और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान होने की आशंका है।

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को बगीचों से पानी की निकासी सही तरीके से करने और फफूंद से बचाव के लिए यूरिया के साथ दवा का छिड़काव करने की सलाह दी है। कृषि वैज्ञानिक डी.के. शर्मा ने बताया कि दक्षिण गुजरात में इस समय भारी बारिश का माहौल है। नवसारी जिले में प्रमुख फल फसलें आम, चीकू, पपीता और केला हैं। भारी बारिश के कारण इन फसलों को बड़ा नुकसान हो रहा है। खेतों में पानी भराव ही नुकसान का कारण है। यदि किसान खेत से पानी निकाल सकें तो नुकसान को कम किया जा सकता है।

किसान हेमंत देसाई ने बताया कि अभी फ्लावरिंग दिखाई दे रही है लेकिन पिछले 10 से 12 वर्षों में इतनी ज्यादा बारिश नहीं हुई। खेती में जितनी जरूरत हो उतनी बारिश नहीं हो रही है। इसके कारण फ्लावरिंग खराब होने का डर रहता है। खेती में

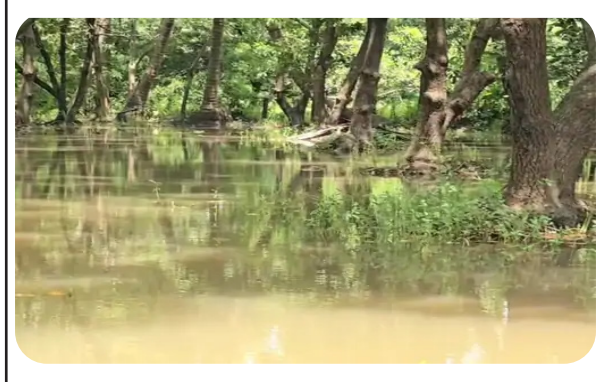

पानी का जमाव बड़ी समस्या है। खेतों से पानी निकलना चाहिए, लेकिन वह नहीं निकलता जिससे फसल को नुकसान होता है।

कोर्ट से फरार हुआ हत्या का आरोपी कुछ ही घंटों में पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा क्राइम ब्रांच ने कुछ ही घंटों में हत्या के आरोपी हार्दिक प्रजापति को सूरत से गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार सुबह वडोदरा क्राइम ब्रांच ने सूरत से आरोपी को हिरासत में लिया। यह जांच जारी है कि हार्दिक को भगाने में किसी का हाथ था या नहीं। 9 सितंबर (बुधवार) दोपहर को हार्दिक को सेंट्रल जेल से अदालत की कार्यवाही के लिए दिवालिपुरा कोर्ट

परिसर में लाया गया था। कोर्ट कैंटीन के पास पानी पीने के बहाने उसने पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। हार्दिक पर अपने ही दोस्त की हत्या का आरोप है।

दही-हांडी कार्यक्रम के दौरान मटकी फोड़ते समय नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए 21 वर्षीय युवक जयसिंह की इलाज के दौरान मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की सिविल अस्पताल फिर एक बार विवादों में घिर गई है। दही-हांडी कार्यक्रम के दौरान मटकी फोड़ते समय नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए 21 वर्षीय युवक जयसिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने इस मौत के लिए अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। परिवार का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद जयसिंह की हालत बिगड़ने लगी, लेकिन डॉक्टरों ने लापरवाही बरती और उसे ड्डष्ट में भर्ती करने में आनाकानी की।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश निवासी और सूरत में ITI में पढ़ाई कर रहे 21 वर्षीय जयसिंह दही-हांडी फोड़ते समय नीचे गिर गए थे। इस हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें तुरंत सूरत की सिविल अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने जांच में पाया कि उनके सिर की नस ब्लॉक हो गई है और तुरंत ऑपरेशन करने का फैसला लिया।

परिवार के मुताबिक, जयसिंह का ऑपरेशन 26 तारीख को किया गया था। 27 तारीख तक हालत ठीक थी, लेकिन 28 तारीख को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। जब परिवारजन डॉक्टरों को बुलाने गए तो वे अपने चेंबर में सो रहे थे। पूछने पर डॉक्टरों ने कहा- इतना तो होता रहता हैज्ञ और जिम्मेदारी टाल दी। इसके बाद जयसिंह को ऑक्सीजन पर

रखा गया।

जयसिंह के पिता शत्रुघ्न सिंह और दोस्त मनीष ने गंभीर आरोप लगाए कि ड्डष्ट में जगह न होने का हवाला देकर पहले भर्ती करने से इनकार किया गया। दबाव डालने के बाद 29 तारीख को उन्हें ड्डष्ट में शिफ्ट किया गया, लेकिन वहां भी डॉक्टरों की लापरवाही जारी रही। ड्डष्ट में सिर्फ एक व्यक्ति को जाने की अनुमति थी और जब भी कोई शिकायत की जाती, तो डॉक्टर अभद्र व्यवहार करते और जिम्मेदारी लेने से बचते।

जयसिंह के पिता शत्रुघ्न सिंह ने कहा- कल जब नली बदली गई, तो डॉक्टर ने कहा कि बेटे ने अपने दांतों से नली काट दी थी। मेरा बेटा तो हिल भी नहीं पा रहा था, तो वह नली कैसे काट सकता था? यह सीधी लापरवाही का मामला है।ज्ञ

इस मामले पर सूरत सिविल अस्पताल के CMO केतन नायक ने कहा कि फिलहाल उन्हें पूरे मामले की जानकारी नहीं है, लेकिन परिवार द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी।

जयसिंह अपने परिवार का सबसे बड़ा बेटा था। उसके पिता लूम्स कारखाने में नौकरी कर घर चलाते हैं।

परिवार में जयसिंह के अलावा एक बहन और एक छोटा भाई भी है। जयसिंह की आकस्मिक मौत से पूरा परिवार सदमे में है और न्याय की मांग कर रहा है।

सूरत के रांदेर पुलिस स्टेशन में रंगाई-पुताई का काम करने आए पुलिस स्टेशन में PSI की कुर्सी पर बैठकर फोटोशूट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के रांदेर पुलिस स्टेशन में रंगाई-पुताई का काम करने आए एक कारीगर ने खुद पुलिस का ही 'कलर' कर दिया। उसने पुलिस स्टेशन में PSI की कुर्सी पर बैठकर फोटोशूट करवाया और इंस्टाग्राम पर यमराज से अपनी यारी है गाने के साथ पोस्ट कर दिया। पोस्ट होते ही हजारों लाइक्स और कमेंट आने लगे। यह कारीगर सोशल मीडिया पर भोला राजभर बाहुबली के नाम से मशहूर है। बाद में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया और वहीं कान पकड़कर माफी मंगवाई, ताकि उसे कानून का एहसास कराया जा सके।

युवक का नाम योगेंद्र राज है और वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी है। कुछ महीने पहले वह रांदेर पुलिस स्टेशन में रंगाई का काम करने गया था। उसी समय उसने PSI की कुर्सी पर बैठकर फोटोशूट करवाया था। युवक सोशल मीडिया पर काफी मशहूर है और उसके इंस्टाग्राम पर 16.50 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। PSI की कुर्सी पर बैठे फोटो को 1400 से ज्यादा लाइक्स और 36 कमेंट मिले थे, जिनमें उसने यमराज से अपनी यारी हैज्ञ गाना भी जोड़ा था।

चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ दिन पहले यही युवक शराब के नशे में पकड़ा गया था और रांदेर पुलिस उसे थाने लाई थी। पुलिस के अनुसार, उस समय उसने अपना नाम बताने से इनकार कर दिया था और थाने में गाली-गलौच की थी। उसने यह दावा भी किया था कि उसके रंगाई के पैसे बकाया हैं। उस समय उसकी एंट्री पुलिस रिकॉर्ड में की गई थी।

शराब के नशे में पकड़े जाने का वीडियो भी अचानक सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हालांकि यह वीडियो 4 दिसंबर 2024 का था, लेकिन अब लोगों का ध्यान खींच रहा है। पुलिस को यह भी पता चला कि आरोपी ने सिर्फ रांदेर पुलिस स्टेशन में ही नहीं बल्कि रेलवे पुलिस चौकी के बाहर भी फोटोशूट कर तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली थीं।

आरोपी ने कान पकड़कर स्वीकार किया कि 6-7 महीने पहले वह रंगाई का काम करने रांदेर थाने गया था और उसी समय उससे गलती हुई थी। वीडियो वायरल होने के बाद रांदेर पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है